MPHIN.RNI.NO. 62005/94

# प्रजादेश

वर्ष -32 अंक 97 | भोपाल, शनिवार 09 मई 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य 1.50 रुपये



# बंगाल में शुभेंदु बनेंगे मुख्यमंत्री

## सुवेंदु अधिकारी राज्यपाल से मिले:सरकार बनाने का दावा पेश किया;आज शपथ; शाह बोले- महिला सुरक्षा टॉप प्रायोरिटी



**पश्चिम बंगाल,08 मई ।** सुवेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल के नए सीएम होंगे। कोलकाता में कन्वेंशन सेंटर में आयोजित विधायक दल की बैठक में उन्हें नेता चुना गया। बैठक के बाद अमित शाह ने उनके नाम का ऐलान किया।

इसके बाद सुवेंदु लोकभवन में राज्यपाल से मिले और सरकार बनाने का दावा पेश किया। सुवेंदु कल सुबह 11 बजे कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में मुख्यमंत्री की शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में क्रूमोदी, शाह समेत हृष्ठ के कई बड़े नेता शामिल होंगे।

उधर शाह ने विधायक दल की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि ममता जी के शासन में अपराधी राजनेता बन गए तो विकास की गुंजाइश ही नहीं रही। हम घुसपैठ, हिंसा, कट मनी खत्म करेंगे। महिला सुरक्षा टॉप प्रायोरिटी होगी।

56 साल के सुवेंदु ने ष्ट्रू ममता बनर्जी को भवानीपुर से हराया है। वे नंदीग्राम से भी लगातार दूसरी बार चुनाव जीते। यहां से 2021 में उन्होंने ममता को हराया था। भाजपा ने विधानसभा चुनाव में 207 सीटें जीती हैं।

गंगोत्री से गंगासागर तक, आज भाजपा की सरकार: 100 साल की वैचारिक यात्रा के बाद गंगोत्री से गंगासागर तक, आज भाजपा की सरकार बनी है। 1950 से जिस विचार को लेकर हम निकले, श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचार को लेकर निकले। आज उनकी ही पार्टी की सरकार बनी।

बंगाल में भाजपा का झंडा फहराने का सपना पूरा हुआ: 370 हटी तो देश भर में कार्यकर्ताओं में खुशी थी। लेकिन कई कार्यकर्ताओं ने कहा था कि अभी भी एक कसक बची है। उन्होंने कहा कि बंगाल में भाजपा का झंडा फहराना है। वो भी आज पूरा हो गया। भाजपा के 3 से 207 विधायक हुए: हमारे विधायकों के जीत का औसत मार्जिन 28 हजार है। 3 से 77 और 77 से 207 की यात्रा अभूतपूर्व है।

### घुसपैठ, गो तस्करी असंभव होगी': शुभेंदु पर मुहर के बाद शाह ने बता दिया बंगाल सरकार का एजेंडा

पश्चिम बंगाल में भाजपा को मिले प्रंचड बहुमत के बाद शुक्रवार को शुभेंदु अधिकारी पार्टी के विधायक दल के नेता चुने गए। वह राज्य के अगले मुख्यमंत्री होंगे। गृह मंत्री अमित शाह ने उनके नाम का एलान किया। नाम के एलान के बाद विधायक दल को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा, इतना बड़ा विधायक दल देखकर मन, आत्मा, शरीर, सबके अंदर खुशी की लहर उठती है। मैं दोनों हाथ जोड़कर जिम्मेदारी के साथ बंगाल की जनता को कोटि-कोटि धन्यवाद देना चाहता हूं। अमित शाह ने कहा जिस तरह का मौहाल सीपीआईएम के समय से यहां बनाया जाता था, ममता ने इसे और गहरा भय में बदला। वहां मत की अभिव्यक्ति लगभग असंभव थी। सैंकड़ो उदाहरण हिंसा के, क्रूरता के थे। उसके बीच भाजपा पर भरोसा करके बंगाल की जनता को प्रचंड विजयी देने के लिए धन्यवाद। बंगाल की जनता ने जो अपेक्षाएं रखी हैं, हम पूरी कोशिश करेंगे कि आपके भरोसे को थोड़ा भी ठेस न पहुंचे। अमित शाह ने कहा हम सब भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं का दायित्व है, हम जनता की आकांक्षाओं को पूरा करें।

### तमिलनाडुः विजय आज 11 बजे लेंगे मुख्यमंत्री पद की शपथ, गवर्नर ने दिया सरकार बनाने का न्योता



**तमिलनाडु,08 मई ।** तमिलनाडु में सरकार गठन की प्रक्रिया तेज हो गई है। तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के प्रमुख विजय शुक्रवार को तीसरी बार लोकभवन पहुंचकर राज्यपाल से मिले। विजय द्वारा समर्थन पत्र सौंपने के बाद राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने उन्हें सरकार बनाने का न्योता दिया। सूत्रों के अनुसार, यह मुलाकात संक्षिप्त रही। कल सुबह 11 बजे विजय मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

**बहुमत के लिए जुटाया समर्थन, कांग्रेस और वाम दलों का साथ**

कांग्रेस और वामपंथी दलों से समर्थन मिलने के बाद विजय ने सरकार बनाने का दावा पेश किया। वामपंथी दलों द्वारा बिना शर्त समर्थन देने के कुछ घंटों बाद विजय शुक्रवार को तीसरी बार राजभवन पहुंचे, उन्होंने सरकार बनाने के जरूरी आंकड़े का समर्थन पत्र सौंपा। टीवीके ने चुनाव में कुल 108 सीटें जीतकर मजबूत प्रदर्शन किया है। पार्टी प्रमुख विजय खुद दो सीटों से विजयी हुए हैं, जिसके चलते उन्हें एक सीट छोड़नी होगी। राज्य में सरकार बनाने के लिए बहुमत का आंकड़ा 118 सीटों का है। ऐसे में विजय को सरकार गठन के लिए अभी और विधायकों के समर्थन की जरूरत है। वर्तमान स्थिति के अनुसार, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (ष्टक्क्ष), वीसीके और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) (ष्टक्क्ष-रू) के पास 2-2 विधायक हैं।

## संक्षिप्त समाचार

### केजरीवाल को बरी करने के आदेश के खिलाफ सीबीआई की याचिका पर सुनवाई टली, 11 मई को अगली सुनवाई

**नई दिल्ली,08 मई ।** दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में एक बार फिर सियासी और कानूनी हलचल तेज हो गई है. दिल्ली हाईकोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल समेत 22 आरोपियों को ट्रायल कोर्ट से मिली राहत को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई टाल दी है. इस बीच केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और दुर्गेश पाठक द्वारा सुनवाई के बहिष्कार और 'सत्याग्रह' के ऐलान ने मामले को और ज्यादा विवादित बना दिया है. हाईकोर्ट अब इस संवेदनशील मामले पर अगली सुनवाई 11 मई को करेगा.

जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच ने कहा कि जो अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और दुर्गेश पाठक का प्रतिनिधित्व करेंगे उनकी सहमति का कोर्ट इंतजार कर रही है. इसके पहले हाईकोर्ट ने 5 मई को कोर्ट की मदद करने के लिए तीन वकीलों को एमिकस क्यूरी नियुक्त करने का आदेश दिया था. जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच ने कहा था कि इस मामले में अरविंद केजरीवाल , मनीष सिसोदिया और दुर्गेश पाठक ने कोर्ट की सुनवाई का बहिष्कार करने का फैसला किया है, ऐसे में तीन एमिकस क्यूरी नियुक्त किए जाएंगे. इस मामले में अरविंद केजरीवाल , मनीष सिसोदिया और दुर्गेश पाठक ने सुनवाई का बहिष्कार करने का फैसला किया है. तीनों ने न तो खुद और न ही किसी वकील के जरिये कोई दलील रखने की बात कही है. तीनों ने हाईकोर्ट को पत्र लिखकर कहा है कि उन्हें जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा पर भरोसा नहीं है इसलिए वे सत्याग्रह करेंगे.बता दें कि 20 अप्रैल को जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने दिल्ली आबकारी मामले में बरी करने के आदेश के खिलाफ सीबीआई की याचिका पर सुनवाई से हटने की अरविंद केजरीवाल की मांग को खारिज कर दिया था. जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने कहा था कि मैं इस आरोप से प्रभावित हुए बिना ही अपना फैसला सुनाउंगी, ठीक वैसे ही जैसा कि मैं ने अपने 34 वर्षों के न्यायिक करियर में हमेशा किया है.मैंने ये आदेश बिना किसी चीज से प्रभावित हुए लिखा है. जस्टिस शर्मा ने कहा था कि मैं हिन्दी में आदेश जारी करुंगी क्योंकि दलीलें भी हिन्दी में दी गयीं.

## सद्भावना यात्राः राहुल गांधी का केंद्र पर हमला, बोले- युवाओं को रोजगार नहीं, सोशल मीडिया का नशा दिया जा रहा



नईदिल्ली,08 मई । सद्भावना यात्रा में शामिल होने के बाद गुरुग्राम में राहुल गांधी ने जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान राहुल गांधी ने बेरोजगारी, चुनाव प्रक्रिया और केंद्र सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि देश का धन कुछ उद्योगपतियों को दिया जा रहा है, जबकि युवाओं को रोजगार के बजाय सोशल मीडिया में उलझाया जा रहा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज गुरुग्राम के दौरे पर हैं। राहुल गांधी सद्भावना यात्रा में शामिल हुए हैं। इस यात्रा के दौरान राहुल गांधी एक जनसभा को भी संबोधित किया। राहुल गांधी ने गुरुग्राम में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कुछ साल पहले उन्होंने कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा निकाली थी, जिसमें लाखों लोग शामिल हुए थे। उस दौरान 'नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान' का नारा जनता के बीच से निकला था। राहुल गांधी ने कहा कि यह सिर्फ कांग्रेस का नहीं, बल्कि देश की भावना का नारा है और आज भी देश को इसकी जरूरत है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव प्रक्रिया में गड़बड़ियां की जाती हैं। राहुल गांधी ने कहा कि लाखों वोटरों के नाम काटे जाते हैं और लाखों नाम जोड़े जाते हैं। उन्होंने चुनाव आयोग पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि जनता अब सब समझ चुकी है और आने वाले समय में इसका जवाब देगी।

कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि देश की संपत्तियां कुछ बड़े उद्योगपतियों को सौंपी जा रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता का धन छीनकर उद्योगपति गौतम अदानी और अंबानी को फायदा पहुंचाया जा रहा है।

राहुल गांधी ने कहा कि हरियाणा और पूरे देश में सबसे बड़ा मुद्दा बेरोजगारी है। उन्होंने कहा कि युवाओं को कॉलेजों से डिग्रियां तो मिल रही हैं, लेकिन रोजगार नहीं मिल रहा। उनके मुताबिक सरकार की नीतियों के कारण देश में चीन का सामान बिक रहा है और युवाओं को रोजगार देने के बजाय उन्हें सोशल मीडिया और इंस्टाग्राम में उलझाया जा रहा है।

यह यात्रा खांडसा मंडी से शुरू हुई। इसका समापन एसडी स्कूल खांडसा सड़क हुई। सद्भावना यात्रा की शुरुआत पांच अक्तूबर को नरवाना से हुई थी। इस यात्रा को पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह के बेटे और कांग्रेस नेता बृजेंद्र सिंह ने प्रारंभ किया था। राहुल गांधी के आगमन के कारण पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा भी गुरुग्राम पहुंचे।

### डीआरडीओ और भारतीय वायु सेना ने सामरिक उन्नत रेंज संवर्धन हथियार का पहला सफल उड़ान परीक्षण किया

**नई दिल्ली ,08 मई ,।** रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने 7 मई, 2026 को ओडिशा के तट पर सामरिक उन्नत रेंज संवर्धन (टीएआरए) हथियार का पहला सफल उड़ान परीक्षण किया। टीएआरए एक मॉड्यूलर रेंज एक्सटेंशन किट है, जो भारत की पहली स्वदेशी ग्लाइड हथियार प्रणाली है। टीएआरए अनिर्देशित वारहेड को सटीक निर्देशित हथियारों में बदल देती है।

टीएआरए को हैदराबाद स्थित इमारात अनुसंधान केंद्र (आरसीआई) ने डीआरडीओ की अन्य प्रयोगशालाओं के सहयोग से डिज़ाइन और विकसित किया है। इसका उद्देश्य ज़मीनी लक्ष्यों को नष्ट करने के लिए कम लागत वाले हथियार की मारक क्षमता और सटीकता को बढ़ाना है। यह अत्याधुनिक कम लागत वाली प्रणालियों का उपयोग करने वाला पहला



लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी हरियाणा के गुरुग्राम ज़िले में %सद्भाव यात्रा% में शामिल हुए।

### लोकसभा में बदलेगा डीएमके सांसदों का स्थान? कांग्रेस से दूरी के बाद स्पीकर ओम बिरला को लिखा पत्र

**नईदिल्ली,08 मई ।** डीएमके ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर सांसदों की सीट व्यवस्था बदलने की मांग की है। कनिमोझी ने कहा कि कांग्रेस से गठबंधन खत्म होने के बाद साथ बैठना उचित नहीं है। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (ष्ठरूय्) ने लोकसभा में अपने सांसदों की सीट व्यवस्था बदलने की मांग उठाई है। पार्टी ने इस संबंध में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र भेजा है। डीएमके सांसद कनिमोझी ने अपने पत्र में कहा है कि कांग्रेस के साथ



पार्टी का राजनीतिक गठबंधन समाप्त हो चुका है। ऐसे में संसद के भीतर डीएमके सांसदों का कांग्रेस सांसदों के साथ बैठना अब मौजूदा परिस्थितियों में उचित नहीं माना जा सकता।

**राजनीतिक बदलाव के बाद बढ़ी दूरी**

तमिलनाडु की राजनीति में हाल के दिनों में कई बड़े बदलाव देखने को मिले हैं। डीएमके और कांग्रेस के रिश्तों में आई खटास अब संसद तक पहुंचती दिखाई दे रही है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि सीटिंग व्यवस्था बदलने की मांग केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि गठबंधन टूटने का सार्वजनिक संकेत भी है। सूत्रों के अनुसार, डीएमके चाहती है कि उसके सांसदों को लोकसभा में अलग ब्लॉक में सीट आवंटित की जाए ताकि पार्टी की नई राजनीतिक स्थिति स्पष्ट रूप से दिखाई दे सके।

### केरलम का मुख्यमंत्री कौन? केसी वेणुगोपाल को 43 विधायकों का समर्थन, वीडी सतीशन भी दौड़ में

**तिरूवनंतपुरम,08 मई ।** केरलम में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) को बहुमत मिलने के बाद अब मुख्यमंत्री चयन को लेकर हलचल तेज हो गई है। अहम दावेदारों में एआईसीसी संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और विपक्ष के नेता वीडी सतीशन सबसे आगे चल रहे हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री चयन यहां आलाकमान के लिए चुनौती बन गया है। बीते दिन एआईसीसी पर्यवेक्षक अजय माकन और मुकुल वासनिक ने विधायकों के साथ बैठक की थी। सूत्रों के हवाले से बताया कि बीते दिन हुई बैठक में माकन और वासनिक के सामने 43 नव निर्वाचित कांग्रेस विधायकों ने मुख्यमंत्री पद के लिए केसी वेणुगोपाल का समर्थन किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ विधायकों ने अपनी पसंद नहीं बताई और ऐसा माना जा रहा है कि उन्होंने पर्यवेक्षकों को यह संकेत दिया है कि वे आलाकमान का जो भी फैसला होगा, उसे स्वीकार कर लेंगे। वहीं, कांग्रेस की अहम सहयोगी और यूडीएफ में दूसरी सबसे बड़ी पार्टी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) ने कथित तौर पर मुख्यमंत्री पद के लिए वीडी सतीशन का समर्थन किया है। आईयूएमएल नेताओं ने पर्यवेक्षकों को यह भी बताया कि उपचुनाव की आवश्यकता से बचने के लिए किसी मौजूदा विधायक को ही मुख्यमंत्री बनाया जाना चाहिए। बता दें कि आईयूएमएल के पास 22 विधायक हैं और वो राज्य में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी है। तिरुवनंतपुरम में पार्टी मुख्यालय में हुई कांग्रेस विधायक दल की बैठक में एक पंक्ति का प्रस्ताव पारित किया गया,

### 1.19 लाख स्कूलों में बिजली नहीं, लड़कियों के लिए शौचालय नहीं- नीति आयोग की रिपोर्ट

नईदिल्ली,08 मई । देशभर के सरकारी स्कूलों की हालत कितनी खराब है, यह खुलासा नीति आयोग की रिपोर्ट में हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, नीति आयोग की सरकारी स्कूल शिक्षा एवं अवसंरचना रिपोर्ट में बताया गया है कि देश में हजारों स्कूल ऐसे हैं, जहां शिक्षक और प्रयोगशाला तो छोड़िए, बिजली-पानी और शौचालय तक नहीं है। साथ ही, कई राज्यों में कक्षा 5 के बाद छात्रों की पढ़ाई छोड़ना बड़ी समस्या बना हुआ है।

आयोग की भारत में स्कूली शिक्षा प्रणाली शीर्षक नाम की रिपोर्ट के मुताबिक, देश के 98,592 स्कूलों में लड़कियों के लिए कार्यात्मक शौचालय नहीं हैं, जबकि 61,540 स्कूलों में उपयोग योग्य शौचालय नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले 10 साल में स्कूलों में बिजली की उपलब्धता 55 प्रतिशत से बढ़कर 91.9 प्रतिशत हुई है, लेकिन अभी भी 1.19 लाख स्कूलों में बिजली की सुविधा नहीं है। करीब 14,505 स्कूलों में पानी, 59,829 स्कूलों में हाथ धोने की सुविधा नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, देश में 1.04 स्कूलों सिर्फ एक शिक्षक हैं। इनमें करीब 89 प्रतिशत स्कूल ग्रामीण क्षेत्रों में हैं। बिहार में प्राथमिक शिक्षकों के रिक्त पद सबसे अधिक है। बिहार में 2,08,784, झारखंड में 80,341 और मध्य प्रदेश में 47,122 पद रिक्त हैं। अगर कक्षा 5 के बाद स्कूल छोड़ने की बात करें तो पश्चिम बंगाल में 20 प्रतिशत, अरुणाचल प्रदेश में 18.3 प्रतिशत, कर्नाटक में 18.3 प्रतिशत और असम में 17.5 प्रतिशत ड्रॉप-आउट दर है।

## संक्षिप्त समाचार

### 14 से 18 वर्ष तक के बच्चों का खतरनाक उद्योगों एवं प्रक्रियाओं में नियोजन प्रतिबंधित

**भोपाल ।** प्रदेश में 14 वर्ष से 18 वर्ष तक के बच्चों का खतरनाक उद्योगों एवं प्रक्रियाओं में नियोजन प्रतिबंधित है। श्रम विभाग द्वारा श्रम स्टार रेटिंग के तहत बाल श्रम अथवा बंधक श्रम पाये जाने की स्थिति में ज़ीरो टॉलरेंस की नीति के तहत संबंधित संस्थान को शून्य अंक दिये जाने की व्यवस्था की गई है एवं इस संबंध में सभी श्रम अधिकारियों को निर्देश दिये गये है। साथ ही यह भी निर्देश दिये गये है कि ऐसे संस्थान जिनमें बाल श्रमिक अथवा बंधुआ श्रमिक नियोजित नहीं किये गए है, उनमें यदि अन्य मापदण्डों की पूर्ति थोडी कम भी हो, तो उन्हें भी श्रम स्टार रेटिंग प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया जाये।

इस संबंध में श्रम विभाग द्वारा वेदा पहल के अंतर्गत प्रदेश में बाल श्रम का पूरी तरह उन्मूलन कर बच्चों को शिक्षा, पुर्नवास, सुरक्षा और अवसर प्रदान करने के संबंध में नियमित रूप से प्रत्येक शुक्रवार को समीक्षा बैठक आयोजित की जा रही है एवं अभियोजन मामलों की कड़ी निगरानी की जा रही है। इसी प्रकार चाइल्ड हेल्प लाइन नम्बर 1098 (टोल-फ्री 24/7) पर प्राप्त शिकायतों की मॉनीटरिंग की जा रही है। उल्लेखनीय है कि माननीय न्यायालय द्वारा बाल श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम 1986 के अंतर्गत मामलों में जुर्माना 20 हजार रूपये से 50 हजार रूपये तथा कारावास 6 माह से 2 वर्ष तक सजा का प्रावधान है। इसी प्रकार माननीय न्यायालय द्वारा बंधक श्रम पद्धति (उत्सादन) अधिनियम, 1976 के अंतर्गत अधिकतम कारावास (3 वर्ष) की सजा या अधिकतम जुर्माना 2 हजार रूपये का प्रावधान है।

बंधक श्रमिकों के पुर्नवास हेतु केन्द्र प्रवर्तित योजना 2021 में वयस्क पुरूष बंधक श्रमिक हितग्राहियों को एक लाख रूपये की पुनर्वास सहायता तथा अनाथ बच्चों (संगठित क्षेत्र अथवा बल पूर्वक कार्य) तथा महिला बंधक श्रमिकों को दो लाख रूपये की पुनर्वास सहायता दिये जाने के प्रावधान हैं वहीं शारिरिक शोषण अथवा मानव तस्करी से पीडितों को तीन लाख रूपये पुनर्वास सहायता दिये जाने के प्रावधान है। प्रत्येक जिले में बंधक श्रमिकों के पुनर्वास हेतु कार्पस फंड का गठन किया गया है।

### शासकीय कर्मचारियों को बड़ी राहत

वित्त विभाग ने राज्य के शासकीय कर्मचारियों को बड़ी राहत देते हुए महंगाई भत्ते (डीए) में वृद्धि का निर्णय लिया है। जारी आदेश के अनुसार सातवें वेतनमान के अंतर्गत कर्मचारियों को मिलने वाला महंगाई भत्ता अब दिनांक एक जुलाई 2025 से (भुगतान माह अगस्त 2025 से) 55 प्रतिशत से 3 प्रतिशत बढ़ाकर 58 प्रतिशत कर दिया गया है। वित्त विभाग के परिपत्र के अनुसार यह बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता 1 जुलाई 2025 से कुल 58 प्रतिशत देय माना जाएगा। हालांकि कर्मचारियों को इसका वास्तविक लाभ 1 अप्रैल 2026 (भुगतान माह मई 2026) से प्राप्त होगा।

सरकार द्वारा जारी आदेश में बताया गया है कि 3 प्रतिशत की इस वृद्धि के बाद कर्मचारियों का कुल महंगाई भत्ता अब 58 प्रतिशत हो जाएगा। यह निर्णय राज्य के लाखों कर्मचारियों के लिए आर्थिक राहत लेकर आएगा।

**एरियर का भुगतान छह किश्तों में**

वित्त विभाग ने शासकीय सेवकों को महंगाई भत्ते में हुई वृद्धि का लाभ एक जुलाई 2025 से 31 मार्च 2026 तक की एरियर राशि का भुगतान छह समान किश्तों में दिया जाएगा। इन किश्तों का भुगतान मई, जून, जुलाई, अगस्त, सितंबर और अक्टूबर 2026 में किया जाएगा।

**सेवानिवृत्त और दिवंगत कर्मचारियों के लिए विशेष प्रावधान**

वित्त विभाग ने जारी आदेश में स्पष्ट किया है कि जो कर्मचारी 1 जुलाई 2025 से 31 मार्च 2026 के बीच सेवानिवृत्त हो चुके हैं या जिनका निधन हो गया है, उन्हें अथवा उनके नामांकित सदस्य को एरियर की पूरी राशि एकमुश्त प्रदान की जाएगी।

**भुगतान संबंधी अन्य निर्देश**

महंगाई भत्ते की गणना में 50 पैसे या उससे अधिक राशि को अगले पूर्ण रुपये में जोड़ा जाएगा, जबकि 50 पैसे से कम राशि को छोड़ दिया जाएगा। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि महंगाई भत्ते का कोई भी हिस्सा किसी अन्य प्रयोजन के लिए वेतन का भाग नहीं माना जाएगा।

# एनीमिया मुक्त भारत स्कोरकार्ड 2025-26 में मध्यप्रदेश देश में प्रथम

**भोपाल।** मध्यप्रदेश ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए 'एनीमिया मुक्त भारत (एएमबी) स्कोरकार्ड 2025-26' में 92.1 एएमबी इंडेक्स के साथ देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि यह उपलब्धि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सुधार और एनीमिया नियंत्रण की दिशा में प्रदेश सरकार की सतत प्रतिबद्धता और प्रभावी क्रियान्वयन का प्रमाण है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने स्वास्थ्य विभाग, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, आशा कार्यकर्ताओं, एएनएम सहयोगी विभागों और मैदानी स्वास्थ्य

**स्वास्थ्य के प्रत्येक मानक में निरंतर सुधार के लिए संकल्पित होकर सरकार कर रही है कार्य : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल**

**स्वास्थ्य अमले को दी बधाई**

अमले को बधाई दी है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश सरकार मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सुधार, पोषण सुदृढ़ीकरण तथा एनीमिया उन्मूलन के लिए निरंतर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ नागरिक ही विकसित मध्यप्रदेश की आधारशिला हैं। प्रदेश सरकार स्वास्थ्य के प्रत्येक मानक में निरंतर सुधार के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रही है।उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि सरकार ने स्वस्थ मध्यप्रदेश की ओर एक और सशक्त कदम बढ़ाते हुए भविष्य में भी जनस्वास्थ्य के सभी मानकों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन बनाए रखने का संकल्प दोहराया है। उन्होंने कहा कि एनीमिया मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत प्रदेश में व्यापक जनजागरूकता, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, आयरन-फोलिक एसिड वितरण तथा पोषण संबंधी गतिविधियों को मिशन मोड में संचालित किया जा रहा है, जिसके सकारात्मक परिणाम अब राष्ट्रीय स्तर पर दिखाई दे रहे हैं। मध्यप्रदेश ने बच्चों, किशोरों, गर्भवती महिलाओं एवं धात्री माताओं में आयरन-फॉलिक एसिड (आईएफए) अनुपूरण कवरेज में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। प्रदेश ने 6 से 59 माह के बच्चों में 80.4, 5 से 9 वर्ष के बच्चों में 95, किशोर वर्ग में 95, गर्भवती महिलाओं में 95 तथा धात्री माताओं में 95 प्रतिशत कवरेज प्राप्त कर राष्ट्रीय स्तर पर सर्वोच्च स्थान अर्जित किया। राष्ट्रीय स्तर पर मध्यप्रदेश के बाद आंध्रप्रदेश एवं तेलंगाना संयुक्त रूप से 90.6 एएमबी इंडेक्स के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि तमिलनाडु 89.9 इंडेक्स के साथ तीसरे स्थान पर रहा।

# डेढ़ माह पहले मिल चुकी है मेट्रो ट्रेन के संचालन की मंजूरी, कब आसान होगा सफर, पता नहीं

इंदौर में 17 किलोमीटर लंबाई वाले मेट्रो ट्रेन के संचालन की मंजूरी कमीशनर ऑफ मेट्रो रेलवे सेफ्टी की ओर से डेढ़ माह पहले मिल चुकी है, लेकिन इसका लोकार्पण अभी तय नहीं हो पाया है।गांधी नगर और सुपर कॉरिडोर पर टीसीएस-इंफोसिस, नर्सिमंजूई, सिम्बायसिस जैसी संस्थाएँ हैं, जहाँ रोजाना हजारों विद्यार्थी और आईटी प्रोफेशनल आते हैं। मेट्रो ट्रेन के संचालन से उन्हें यात्रा में आसानी होगी।हालाँकि अधिकारियों ने मेट्रो के कोच और स्टेशन को जन्मदिन, किटी पार्टी और अन्य आयोजनों के लिए किराए पर देने का निर्णय लिया है। इंदौरवासी मेट्रो के संचालन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के एमडी एस. कृष्णा चैतन्य का कहना है कि जल्द ही मेट्रो के संचालन की तारीख तय की जाएगी और इसका लोकार्पण होगा।गांधी नगर मेट्रो स्टेशन से रेडिसन चौराहा तक पांच मेट्रो स्टेशन बनकर तैयार हो चुके हैं। मेट्रो का ट्रायल रन अलग-अलग स्पीड पर कई बार सफलतापूर्वक हो चुका है। मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने किराए की घोषणा अभी नहीं की है, लेकिन अधिकतम किराया 80 रुपये तक होगा।फिलहाल मेट्रो का संचालन केवल 7 किलोमीटर तक हो रहा है। इस छोटे रूट पर दिनभर में 100 से भी कम यात्री यात्रा करते हैं। मेट्रो ट्रेन संचालन और स्टेशन स्टाफ पर प्रतिदिन लगभग 8 लाख रुपये का खर्च हो रहा है। 17 किलोमीटर लंबे रूट पर मेट्रो ट्रेन 80 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चलेगी। गांधी नगर से रेडिसन चौराहा आने में मेट्रो को लगभग 20 मिनट का समय लगेगा। पहले चरण में मेट्रो का संचालन खजराना चौराहा तक होगा। इसके बाद मेट्रो ट्रेन अंडरग्राउंड होगी, जिसका काम अभी शुरू नहीं हुआ है। वर्तमान में 7 किलोमीटर रूट का अधिकतम किराया 30 रुपये है। पूरे 17 किलोमीटर रूट पर अधिकतम किराया 80 रुपये होगा।इंदौर में 17 किलोमीटर लंबाई वाले मेट्रो ट्रेन के संचालन की मंजूरी कमीशनर ऑफ मेट्रो रेलवे सेफ्टी की ओर से डेढ़ माह पहले मिल चुकी है, लेकिन इसका लोकार्पण अभी तय नहीं हो पाया है।गांधी नगर और सुपर कॉरिडोर पर टीसीएस-इंफोसिस, नर्सिमंजूई, सिम्बायसिस जैसी संस्थाएँ हैं, जहाँ रोजाना हजारों विद्यार्थी और आईटी प्रोफेशनल आते हैं। मेट्रो ट्रेन के संचालन से उन्हें यात्रा में आसानी होगी।हालाँकि अधिकारियों ने मेट्रो के कोच और स्टेशन को जन्मदिन, किटी पार्टी और अन्य आयोजनों के लिए किराए पर देने का निर्णय लिया है। इंदौरवासी मेट्रो के संचालन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के एमडी एस. कृष्णा चैतन्य का कहना है कि जल्द ही मेट्रो के संचालन की तारीख तय की जाएगी और इसका लोकार्पण होगा।गांधी नगर मेट्रो स्टेशन से रेडिसन चौराहा तक पांच मेट्रो स्टेशन बनकर तैयार हो चुके हैं। मेट्रो का ट्रायल रन अलग-अलग स्पीड पर कई बार सफलतापूर्वक हो चुका है। मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने किराए की घोषणा अभी नहीं की है, लेकिन अधिकतम किराया 80 रुपये तक होगा।फिलहाल मेट्रो का संचालन केवल 7 किलोमीटर तक हो रहा है। इस छोटे रूट पर दिनभर में 100 से भी कम यात्री यात्रा करते हैं। मेट्रो ट्रेन संचालन और स्टेशन स्टाफ पर प्रतिदिन लगभग 8 लाख रुपये का खर्च हो रहा है। 17 किलोमीटर लंबे रूट पर मेट्रो ट्रेन 80 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चलेगी। गांधी नगर से रेडिसन चौराहा आने में मेट्रो को लगभग 20 मिनट का समय लगेगा। पहले चरण में मेट्रो का संचालन खजराना चौराहा तक होगा। इसके बाद मेट्रो ट्रेन अंडरग्राउंड होगी, जिसका काम अभी शुरू नहीं हुआ है। वर्तमान में 7 किलोमीटर रूट का अधिकतम किराया 30 रुपये है। पूरे 17 किलोमीटर रूट पर अधिकतम किराया 80 रुपये होगा।

# कटनी बनेगा माइनिंग कैपिटल : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश का कटनी जिला देश के महत्वपूर्ण खनिज एवं औद्योगिक केंद्रों में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर रहा है। चूना पत्थर, बॉक्साइट, लौह अयस्क, मार्बल और लेटराइट जैसे बहुमूल्य खनिजों से समृद्ध कटनी अब स्वर्ण अयस्क के साथ ही डोलोमाइट के विशाल भंडार खनन के लिये तैयार हैं। कटनी के बड़ेरा एवं बचरबाड़ा में 50 हैक्टेयर से अधिक क्षेत्र में तीन बड़े डोलोमाइट ब्लॉक्स को माइनिंग कॉर्पोरेशन के पक्ष में आरक्षित किया गया है। इस निर्णय से कटनी में खनिज आधारित उद्योगों के विस्तार को नई गति मिलेगी। इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहाकि अब कटनी 'माइनिंग कैपिटल' के रूप में तेजी से विकसित हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि कटनी केवल 'चूना नगरी' तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह खनिज आधारित औद्योगिक विकास, निवेश, रोजगार और आधुनिक खनन प्रबंधन का राष्ट्रीय मॉडल बनेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खनिज संपदा के वैज्ञानिक, पारदर्शी और जनहितकारी उपयोग के माध्यम से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कटनी को 'कनकपुरी' अर्थात 'स्वर्ण नगरी' के रूप में विकसित करने की परिकल्पना को विशेष महत्व दिया है। उन्होंने कहा कि कटनी की धरती केवल खनिज संपदा का भंडार नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश की औद्योगिक प्रगति और आर्थिक शक्ति का नया आधार बन रही है। कटनी की स्लीमनाबाद तहसील के इमलिया गांव, जिसे

स्थानीय स्तर पर 'सुनाही' के नाम से भी जाना जाता है। यहाँ पर लगभग 3.35 लाख टन से अधिक स्वर्ण अयस्क मिलने का अनुमान व्यक्त किया गया है। यह खोज लगभग 50 वर्षों की लंबी भू-वैज्ञानिक प्रक्रिया और सर्वेक्षण के बाद की गई है। वर्ष 1974 में प्रारंभ हुए भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षणों के आधार पर इस क्षेत्र में स्वर्ण भंडार की संभावना व्यक्त की गई थी, जिसे अब वर्ष 2025-26 में अंतिम रूप दिया गया है। सोने के साथ तांबा, जिंक, लेड और चांदी के भंडार इमलिया क्षेत्र में केवल सोना ही नहीं, बल्कि तांबा, लेड, जिंक और चांदी जैसे बहुमूल्य खनिजों के भंडार भी पाए गए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह खोज कटनी को देश के प्रमुख बहु-खनिज क्षेत्रों में स्थापित करेगी। इन खनिज संसाधनों का उपयोग प्रदेश की औद्योगिक और आर्थिक क्षमता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। 50 वर्ष के लिए हुआ खनन समझौता स्वर्ण अयस्क क्षेत्र के विकास के लिए मुंबई की 'प्रॉस्पेक्ट रिसोर्स मिनरल प्राइवेट लिमिटेड' कंपनी ने 121 करोड़ रूपये से अधिक की बोली लगाकर 50 वर्षों के लिए खनन लीज प्राप्त की है। लगभग 6.5 हैक्टेयर क्षेत्र में खनन गतिविधियाँ संचालित की जाएंगी। इससे क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निवेश, औद्योगिक गतिविधियाँ और रोजगार के अवसर बढ़ने की संभावना है। राज्य सरकार का उद्देश्य केवल खनिज उत्खनन तक सीमित नहीं है, बल्कि स्थानीय स्तर पर खनिज आधारित उद्योगों की स्थापना, वैल्यू एडिशन और रोजगार सृजन सुनिश्चित करना भी है। माइनिंग कॉन्क्लेव 2.0 से मिला वैश्विक निवेश मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में अगस्त 2025 में आयोजित 'माइनिंग कॉन्क्लेव 2.0' ने कटनी को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय निवेश मानचित्र पर नई पहचान दिलाई। कॉन्क्लेव में 56 हजार 414 करोड़ रूपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रमुख उद्योग समूहों और निवेशकों के साथ वन-टू-वन चर्चा कर कटनी की खनिज क्षमता और औद्योगिक संभावनाओं को विस्तार से प्रस्तुत किया था। कॉन्क्लेव में 8 बड़ी कंपनियों ने निवेश में रुचि दिखाई थी। इन निवेश प्रस्तावों से सीमेंट, मिनरल प्रोसेसिंग, ऊर्जा, धातु प्रसंस्करण और निर्माण क्षेत्र में बड़े स्तर पर औद्योगिक विस्तार होने की संभावना है। इससे हजारों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार अवसर सृजित होंगे। नवाचार और सुशासन से राजस्व में वृद्धि कटनी जिला प्रशासन की सक्रियता, तकनीक आधारित निगरानी और बेहतर खनन प्रबंधन के कारण कटनी के खनिज राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पूर्व में जहां जिले की औसत वार्षिक खनिज आय लगभग 100 करोड़ रूपये थी, वहीं अब यह बढ़कर 160 करोड़ रूपये से अधिक हो गई है। नई खदानों और औद्योगिक इकाइयों के प्रारंभ होने से आने वाले वर्षों में राजस्व में और वृद्धि की संभावना है। राज्य सरकार का लक्ष्य केवल राजस्व वृद्धि नहीं, बल्कि खनिज संपदा से समग्र क्षेत्रीय विकास सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि औद्योगिक निवेश के साथ सड़क, बिजली, जल, परिवहन और अन्य आधारभूत सुविधाओं का भी तेजी से विस्तार किया जा रहा है। तकनीक से अवैध खनन पर प्रभावी नियंत्रण राज्य सरकार ने कटनी में पारदर्शी और व्यवस्थित खनन व्यवस्था स्थापित करने के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग बढ़ाया है। बड़वारा रोड पर स्थापित ई-चेक गेट के माध्यम से खनिज परिवहन करने वाले वाहनों के दस्तावेजों की ऑनलाइन जांच की जा रही है। माइनिंग सर्विलांस सिस्टम के जरिए अवैध उत्खनन और अवैध परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया गया है। प्रशासन द्वारा लंबित प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण कर वैधानिक खनन गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। पारदर्शिता, तकनीक और सुशासन के माध्यम से खनन क्षेत्र में नई कार्य संस्कृति विकसित की जा रही है। रोजगार और क्षेत्रीय विकास को मिलेगा नया आयाम कटनी में खनिज आधारित उद्योगों के विस्तार से स्थानीय युवाओं, आदिवासी समुदायों और श्रमिकों के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे। सरकार का प्रयास है कि औद्योगिक विकास का लाभ सीधे स्थानीय नागरिकों तक पहुंचे और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण को नई गति मिले। कटनी आज प्रदेश की औद्योगिक शक्ति, प्राकृतिक संपदा और विकास दृष्टि का प्रतीक बनकर उभर रहा है। 'स्वर्ण नगरी' और 'माइनिंग कैपिटल' की अवधारणा के साथ कटनी आने वाले समय में न केवल मध्यप्रदेश बल्कि पूरे देश के प्रमुख खनिज और औद्योगिक केंद्र के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करेगा। सोने के साथ तांबा, जिंक, लेड और चांदी के भंडार इमलिया क्षेत्र में केवल सोना ही नहीं, बल्कि तांबा, लेड, जिंक और चांदी जैसे बहुमूल्य खनिजों के भंडार भी पाए गए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह खोज कटनी को देश के प्रमुख बहु-खनिज क्षेत्रों में स्थापित करेगी। इन खनिज संसाधनों का उपयोग प्रदेश की औद्योगिक और आर्थिक क्षमता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। 50 वर्ष के लिए हुआ खनन समझौता स्वर्ण अयस्क क्षेत्र के विकास के लिए मुंबई की 'प्रॉस्पेक्ट रिसोर्स मिनरल प्राइवेट लिमिटेड' कंपनी ने 121 करोड़ रूपये से अधिक की बोली लगाकर 50 वर्षों के लिए खनन लीज प्राप्त की है। लगभग 6.5 हैक्टेयर क्षेत्र में खनन गतिविधियाँ संचालित की जाएंगी। इससे क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निवेश, औद्योगिक गतिविधियाँ और रोजगार के अवसर बढ़ने की संभावना है।

# गाजा में फिर भड़की हिंसा: इस्राइली गोलीबारी में 19 की मौत, हमले से पहले सैनिक पर फायरिंग का दावा

गाजा पट्टी में संघर्ष विराम लागू होने के बाद भी हिंसा रुकती नजर नहीं आ रही है। ताजा घटनाक्रम में इस्राइली गोलीबारी में कम से कम 19 फलस्तीनी नागरिकों की मौत हो गई, जिनमें बड़ी संख्या महिलाओं और बच्चों की बताई गई है। अस्पताल अधिकारियों ने मौतों की पुष्टि की है। इस्राइल की ओर से कहा गया है कि कार्रवाई उसके सैनिकों पर मिलिटेंट गोलीबारी के जवाब में की गई।इस्राइली सेना के अनुसार, गाजा में तैनात सैनिकों पर पहले उग्रवादियों ने गोलीबारी की, जिसमें एक रिजर्व सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद सेना ने हवाई और जमीनी यूनिट के जरिए जवाबी कार्रवाई की। सेना ने इसे संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन बताते हुए कहा कि सैनिकों की सुरक्षा के लिए जवाबी फायरिंग जरूरी थी।अस्पताल अधिकारियों के मुताबिक मरने वालों में सात महिलाएं और पांच बच्चे शामिल हैं। मृतकों में पांच महीने का शिशु और सिर्फ दस दिन की बच्ची भी शामिल है। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, संघर्ष विराम लागू होने के बाद से अब तक 530 से ज्यादा फलस्तीनी इस्राइली हमलों में मारे जा चुके हैं। ये आंकड़े लगातार बढ़ते तनाव को दिखाते हैं।गाजा सिटी के शिफा अस्पताल के निदेशक ने कहा कि गाजा के लोगों के खिलाफ युद्ध जैसे हालात जारी हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि संघर्ष विराम का वास्तविक असर जमीन पर क्यों नहीं दिख रहा। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि लगातार हमलों से आम लोगों में डर बना हुआ है और हालात सामान्य नहीं हो पा रहे हैं। उत्तरी गाजा के तुफ्फाह इलाके में एक इमारत पर फायरिंग में 11 लोगों की मौत हुई, जिनमें एक ही परिवार के कई सदस्य थे। दक्षिणी शहर खान यूनिस में एक परिवार के टेंट पर हमले में तीन लोगों की जान गई, जिनमें एक 12 साल का लड़का भी शामिल था। गाजा सिटी के ज़ैतून इलाके में टैंक शेलिंग से तीन और लोगों की मौत हुई, जिनमें पति-पत्नी भी थे। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार युद्ध शुरू होने के बाद से 71,800 से ज्यादा फलस्तीनी मारे जा चुके हैं। मंत्रालय लड़ाकों और आम नागरिकों का अलग-अलग आंकड़ा जारी नहीं करता, लेकिन उसके रिकॉर्ड को संयुक्त राष्ट्र और कई स्वतंत्र विशेषज्ञ आम तौर पर भरोसेमंद मानते हैं। लगातार बढ़ती मौतों ने संघर्ष विराम की प्रभावशीलता पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं।गाजा पट्टी में संघर्ष विराम लागू होने के बाद भी हिंसा रुकती नजर नहीं आ रही है। ताजा घटनाक्रम में इस्राइली गोलीबारी में कम से कम 19 फलस्तीनी नागरिकों की मौत हो गई, जिनमें बड़ी संख्या महिलाओं और बच्चों की बताई गई है। अस्पताल अधिकारियों ने मौतों की पुष्टि की है। इस्राइल की ओर से कहा गया है कि कार्रवाई उसके सैनिकों पर मिलिटेंट गोलीबारी के जवाब में की गई।इस्राइली सेना के अनुसार, गाजा में तैनात सैनिकों पर पहले उग्रवादियों ने गोलीबारी की, जिसमें एक रिजर्व सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद सेना ने हवाई और जमीनी यूनिट के जरिए जवाबी कार्रवाई की। सेना ने इसे संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन बताते हुए कहा कि सैनिकों की सुरक्षा के लिए जवाबी फायरिंग जरूरी थी।अस्पताल अधिकारियों के मुताबिक मरने वालों में सात महिलाएं और पांच बच्चे शामिल हैं। मृतकों में पांच महीने का शिशु और सिर्फ दस दिन की बच्ची भी शामिल है। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, संघर्ष विराम लागू होने के बाद से अब तक 530 से ज्यादा फलस्तीनी इस्राइली हमलों में मारे जा चुके हैं।

## अमेरिका में बुजुर्गों को ठगने वाले 2 भारतीय छात्रों को जेल, करोड़ों की धोखाधड़ी का आरोप

वाशिंगटन,। अमेरिका में बुजुर्ग नागरिकों को ठगने वाले 2 भारतीय छात्रों को अलग-अलग लेकिन समान मामले में जेल की सजा सुनाई गई है। दोनों छात्र वीजा पर अमेरिका के कॉलेज में पढ़ाई कर रहे हैं।

आरोपियों में एक 20 वर्षीय किशन राजेशकुमार पटेल है, जिसे इस सप्ताह मनी लॉन्ड्रिंग की साजिश रचने का दोषी पाए जाने के बाद 63 महीने जेल की सजा हुई है।

उनके सह-प्रतिवादी, ध्रुव राजेशभाई मंगुकिया हैं। उनको जल्द सजा सुनाई जाएगी। अमेरिकी न्याय विभाग के मुताबिक, छात्र पटेल ने एक ऑनलाइन फिशिंग में हिस्सा लिया था, जिसमें खुद को अमेरिकी सरकारी अधिकारी बताकर वरिष्ठ नागरिकों से पैसे और सोना ठग रहा था। अधिकारियों ने बताया कि साजिश में कई ऑनलाइन फिशिंग विधियों का उपयोग हुआ है और काफी नकदी-सोना प्राप्त किया गया है। इसमें एक हिस्सा अपने सह-साजिशकर्ता को दिया गाय है। पटेल ने अमेरिका के 25 बुजुर्गों को ठगा है, जिससे उनको 26.94 लाख डॉलर का नुकसान हुआ है। अधिकारी ने बताया कि पटेल को 24 अगस्त, 2024 को ग्रेनाइट शोल्स, टेक्सास में गिरफ्तार किया गया था।

## संक्षिप्त समाचार

### ईरान ने इजरायली स्टॉक एक्सचेंज-अस्पताल को उड़ाया, यरूशलम तक सुने गए धमाके

तेल अवीव। ईरान अब इजरायल पर जबरदस्त काउंटर अटैक कर रहा है। ईरान, इजरायल पर जबरदस्त मिसाइल अटैक कर रहा है। तेल अवीव, बीर्शेबा समेत 4 शहर ईरान के निशाने पर हैं। साउथ इजरायल के बीर्शेबा शहर पर ईरान की मिसाइल एक अस्पताल में गिरी है। इसके अलावा ईरान ने रमत गान और होलोन पर भी हमला किया है। तेल अवीव में सबसे ज्यादा तबाही देखने को मिल रही है। हाई राइज इमारतों को ईरान के मिसाइल अटैक में सबसे ज्यादा नुकसान देखने को मिल रही है। बताया जा रहा है कि तेल अवीव के अलग-अलग इलाकों में 7 ईरानी मिसाइल गिरी हैं। खबर ये भी है कि ईरान ने इजरायल के स्टॉक एक्सचेंज को भी निशाना बनाया है और इसे नुकसान पहुंचा है।

वहीं, इजरायल के अस्पताल और अन्य इलाकों में ईरान के ताजा हमले के बाद प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कड़ी चेतावनी दी है। नेतन्याहू ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा-ईरान के आतंकवादी तानाशाह (अयातुल्ला अली खामेनेई) के सैनिकों ने सरोका अस्पताल और नागरिक आबादी पर मिसाइलें दागी हैं। अब उन्हें इसकी पूरी कीमत चुकानी होगी।

ईरान की एक मिसाइल गुरुवार तड़के दक्षिणी इजराइल के मुख्य अस्पताल पर गिरी जिससे कई लोग घायल हो गए और ''व्यापक पैमाने पर क्षति'' हुई। इजराइली मीडिया ने मिसाइल हमले के कारण क्षतिग्रस्त हुईं खिड़कियों और इलाके से उठते घने काले धुएं के फुटेज प्रसारित किए। ईरान ने तेल अवीव में एक ऊंची अपार्टमेंट इमारत और मध्य इजराइल में अन्य जगहों पर हमले किए। इजराइल की 'मैगन डेविड एडम' बचाव सेवा के अनुसार, इन हमलों में कम से कम 40 लोग घायल हुए हैं।

इस बीच इजराइल ने ईरान के अराक भारी जल रिएक्टर पर हमला किया। ईरान के विशाल परमाणु कार्यक्रम पर यह हमला संघर्ष के 7वें दिन किया गया। इजराइल ने सात दिन पहले ईरान के सैन्य स्थलों, वरिष्ठ अधिकारियों और परमाणु वैज्ञानिकों को निशाना बनाकर अचानक हमले किए जिससे यह संघर्ष शुरू हो गया। ईरान ने इजराइल पर सैकड़ों मिसाइल और ड्रोन दागे लेकिन अधिकतर को इजराइल के एयर डिफेंस सिस्टम ने मार गिराया।ईरानी मिसाइल ने 'सोरोका मेडिकल सेंटर' को निशाना बनाया जो इजराइल के दक्षिण में स्थित मुख्य अस्पताल है। अस्पताल की वेबसाइट के अनुसार, इस अस्पताल में 1,000 से अधिक बिस्तर हैं और यह इजराइल के दक्षिण के लगभग 10 लाख निवासियों को सेवाएं प्रदान करता है। बयान में कहा गया है कि अस्पताल के कई हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए हैं

# इराकी सैन्य ठिकानों पर ड्रोन हमलों में एक की मौत, सात घायल

**बगदाद ।** इराक के मध्य प्रांत बाबिल में हशद शाबी बलों के बेस हाउसिंग मुख्यालय पर शनिवार तड़के अज्ञात ड्रोन से किए गए हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए।

ड्रोन ने कैंप कलसू के नाम से जाने जाने वाले विशाल सैन्य स्थल को निशाना बनाया, जिसमें बाबिल प्रांत के उत्तरी भाग में महाविल क्षेत्र में इराकी सेना, फेडरल पुलिस और हशद शाबी बलों के अड्डे हैं।एक सूत्र ने कहा कि हवाई हमलों में एक हशद शाबी लड़ाका मारा गया। पांच लड़ाके और दो इराकी सैनिक घायल हो गए। जिन ठिकानों पर हमले किए गए उनमें आग भी लग गई।

मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। एंबुलेंस से घायलों को अस्पतालों में पहुंचाया जा रहा है। बचाव दल और दमकल गाड़ियां आग बुझाने में लगी हैं।

हवाई हमलों के संबंध में इराकी सरकार की ओर से अभी तक कोई बयान नहीं आया है। लेकिन हशद शाबी बलों ने एक बयान में कहा कि एक जांच दल घटनास्थल पर पहुंच गया है और ज्यादा डिटेल बाद में सामने आएगी।

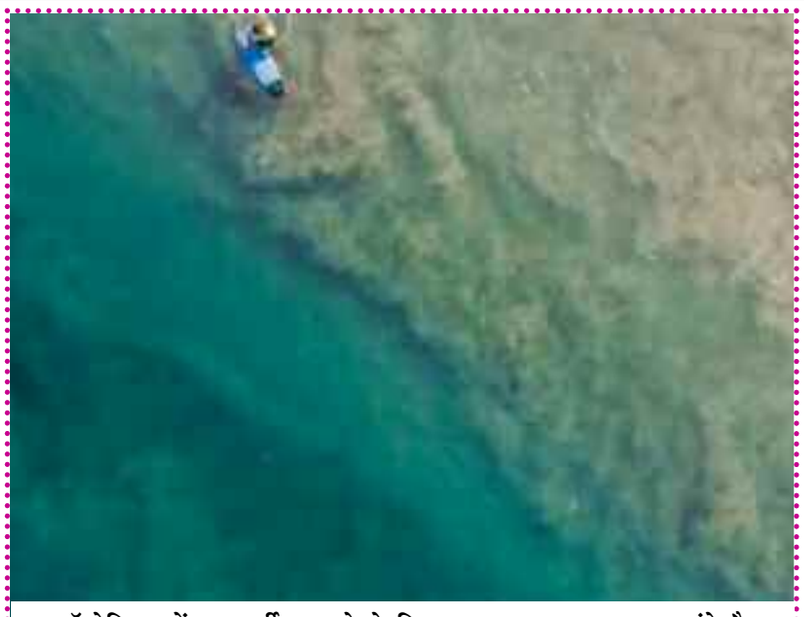

**ऑस्ट्रेलिया में 13 वर्षीय बच्चे ने दिखाया अद्भुत साहस, चार घंटे तैरकर परिवार की बचाई जान**

## उत्तर कोरिया ने रणनीतिक क्रूज मिसाइल के लिए 'सुपर-लार्ज वॉरहेड' का किया परीक्षण

**प्योंगयांग ,** । उत्तर कोरिया ने एक रणनीतिक क्रूज मिसाइल के लिए सुपर-लार्ज वॉरहेड का शक्ति परीक्षण किया है। उत्तर कोरिया ने इसी सप्ताह पीले सागर में एक नई विमानभेदी मिसाइल का परीक्षण भी किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस परीक्षण के माध्यम से एक निश्चित लक्ष्य प्राप्त किया गया। इसमें कहा गया कि वारहेड को ह्वासल-1 रा-3 रणनीतिक क्रूज मिसाइल के लिए डिजाइन किया गया है और नई विमान भेदी मिसाइल प्योलजी-1-2 है। दोनों परीक्षण कथित रूप से उत्तर कोरियाई मिसाइल प्रशासन की नियमित गतिविधियों का हिस्सा थे।

# कानपुर के भाजपा उम्मीदवार से पूर्व उपाध्यक्ष नाराज, लिखा पीएम को पत्र

**कानपुर ।** उत्तर प्रदेश के कानपुर से भाजपा के उम्मीदवार रमेश अवस्थी को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं की नाराजगी अब सामने आने लगी है। नामांकन से पहले भाजपा के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष प्रकाश शर्मा ने पीएम मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और मुख्यमंत्री योगी को पत्र लिखकर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि शीर्ष नेतृत्व को पुनर्विचार करना चाहिए। पत्र में प्रकाश शर्मा ने लिखा है कि भाजपा का सक्रिय कार्यकर्ता होने के नाते चर्चा करना चाहता हूं। जिस प्रकार से कानपुर लोकसभा सीट पर प्रत्याशी को थोपा गया है, वह अचंभित और हतप्रभ कर देने वाला है। पार्टी, विचार, परिवार तो छोड़िए, पूरा नगर स्तब्ध है। उनकी पार्टी में किसी भी स्तर पर कानपुर या और कहीं भी उनके किसी भी प्रकार का योगदान की जानकारी मेरे पास क्या किसी के पास नहीं है। उन्होंने लिखा कि वह कब कैसे पार्टी के कार्यकर्ता बने, पार्टी के लिए उनका क्या योगदान है, इसकी जानकारी शायद ही कानपुर में कोई बता पाए। इससे कार्यकर्ताओं और समर्थकों में घोर निराशा है। चुनाव रणभूमि में जहां प्रत्याशी चुनाव प्रचार में आगे बढ़ चुके है।

# इजरायल की बड़ी एयर स्ट्राइक, लेबनान में हिज्बुल्ला और हमास के ठिकानों को बनाया निशाना

सिदोन । इजरायल की वायु सेना ने सोमवार देर रात और मंगलवार तड़के दक्षिणी और पूर्वी लेबनान के कई इलाकों में हवाई हमले किए। इन हमलों में लेबनान का तीसरा सबसे बड़ा शहर सिदोन भी शामिल है। मंगलवार तड़के करीब एक बजे हुए हमले में सिदोन के दक्षिणी तटीय इलाके में स्थित एक तीन मंजिला व्यावसायिक इमारत पूरी तरह ध्वस्त हो गई।

इजरायली सेना ने बताया कि सोमवार को दक्षिणी और पूर्वी लेबनान में जिन ठिकानों पर हमला किया गया, वहां हिज्बुल्ला और हमास से जुड़ी ढांचागत सुविधाएं मौजूद थीं। हमलों से करीब दो घंटे पहले इजरायल के सैन्य प्रवक्ता अविचाई अद्राई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर चेतावनी जारी की थी। उन्होंने कहा था कि सेना पूर्वी बेका घाटी के दो गांवों और दक्षिणी लेबनान के दो अन्य गांवों में हिज्बुल्ला और फिलिस्तीनी हमास समूह के ठिकानों को निशाना बनाएगी। घटनास्थल पर मौजूद एक फोटोग्राफर के अनुसार, यह इलाका व्यावसायिक गतिविधियों से जुड़ा हुआ था, जहां कार्यशालाएं और मैकेनिक की दुकानें थीं। जिस इमारत को निशाना बनाया गया, वह उस समय खाली थी। हमले के बाद कम से कम एक व्यक्ति को एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया, जबकि बचाव दल मलबे में अन्य लोगों की तलाश में जुटे रहे। हालांकि, फिलहाल किसी की मौत की पुष्टि नहीं हुई है। ये हमले ऐसे समय में हुए हैं, जब कुछ ही दिनों बाद लेबनान के सेना प्रमुख इजरायल से लगती सीमा पर सक्रिय चरमपंथी संगठन हिज्बुल्ला के निरस्त्रीकरण से जुड़े अपने मिशन पर सरकार को जानकारी देने वाले हैं।

# अमेरिका की वेनेजुएला के साथ युद्ध की कोई मंशा नहीं', ट्रंप के बदले सुर; जल्द चुनावों की संभावना पर दिया ये जवाब

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका वेनेजुएला के साथ किसी युद्ध में नहीं है और वहां जल्द चुनाव कराने का कोई दबाव भी नहीं डालेगा। उनका कहना है कि पहले देश को स्थिर करना जरूरी है और टूटी हुई व्यवस्थाओं व ढांचे को फिर से खड़ा करना होगा। वेनेजुएला के नेता निकोलस मादुरो को पकड़े जाने के बाद हालात अस्थिर हैं। ट्रंप ने कहा कि अगले 30 दिनों में वेनेजुएला में चुनाव नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि वहां की जमीनी स्थिति ऐसी नहीं है कि चुनाव कराए जा सकें। ट्रंप ने कहा, हमें पहले देश को ठीक करना होगा। अगर लोग वोट ही नहीं दे सकते, तो आप चुनाव नहीं करा सकते। ट्रंप ने बताया कि इस समय अमेरिका का ध्यान वहां कानून-व्यवस्था को बहाल करने और अर्थव्यवस्था को दोबारा खड़ा करने पर है। उन्होंने कहा कि वेनेजुएला को धीरे-धीरे संभालना होगा और इसमें समय लगेगा। उन्होंने यह भी कहा कि वेनेजुएला के ऊर्जा क्षेत्र और तेल ढांचे को फिर से बनाने में अमेरिकी तेल कंपनियां अहम भूमिका निभा सकती हैं। उनके अनुसार यह काम 18 महीनों से भी कम समय में पूरा हो सकता है। अमेरिका इस काम में कुछ मदद दे सकता है, लेकिन खर्च का बड़ा हिस्सा तेल कंपनियां ही उठाएंगी और बाद में अपनी लागत निकाल लेंगी। ट्रंप ने कहा, बहुत सारा पैसा खर्च करना होगा, और तेल कंपनियां इसे खर्च करेंगी, और फिर उन्हें हमारे द्वारा या रेवेन्यू के ज़रिए पैसे वापस मिल जाएंगे। ट्रंप ने उन दावों को खारिज कर दिया कि अमेरिका वेनेजुएला के साथ युद्ध में शामिल है। उन्होंने कहा, नहीं, हम नहीं हैं। हम उन लोगों के साथ युद्ध में हैं जो ड्रग्स बेचते हैं। हम उन लोगों के साथ युद्ध में हैं जो अपनी जेलों को हमारे देश में खाली कर देते हैं और अपने ड्रग एडिक्ट्स और अपने मानसिक रोगियों को हमारे देश में भेज देते हैं। उन्होंने वेनेजुएला की बदहाली के लिए वहां के नेतृत्व को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि उन्होंने अपराध और अस्थिरता को बढ़ावा दिया। उन्होंने बताया कि मादुरो को काराकस में अमेरिकी कार्रवाई के दौरान पकड़ा गया और बाद में न्यूयॉर्क में उनके खिलाफ नशीले पदार्थों की तस्करी और आतंक से जुड़े आरोप लगाए गए। ट्रंप ने कहा कि रोड्रिग्ज अमेरिकी अधिकारियों के साथ सहयोग कर रही हैं, लेकिन उन्होंने यह खारिज किया कि मादुरो को हटाने से पहले वाशिंगटन और उनके गुट के बीच कोई बातचीत हुई थी। उन्होंने यह भी कहा कि जल्द ही यह तय किया जाएगा कि रोड्रिग्ज पर लगे प्रतिबंध जारी रहेंगे या नहीं। जब उनसे पूछा गया कि आखिर वेनेजुएला का संचालन कौन कर रहा है, तो ट्रंप ने एक शब्द में जवाब दिया- मैं। ट्रंप ने कहा कि विदेश मंत्री मार्को रूबियो वेनेजुएला के नेतृत्व से बातचीत में गहराई से जुड़े हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अगर सहयोग टूटता है तो अमेरिका दूसरी सैन्य कार्रवाई के लिए भी तैयार है, हालांकि उन्हें उम्मीद है कि इसकी जरूरत नहीं पड़ेगी। अंत में ट्रंप ने इस आलोचना को भी खारिज किया कि उन्होंने इस कार्रवाई के लिए अमेरिकी कांग्रेस की मंजूरी नहीं ली। उनका कहना था कि सांसदों को अमेरिकी कार्रवाई की जानकारी थी और उन्हें कांग्रेस का समर्थन हासिल है।

## ईरान-इजरायल जंग को लेकर पुतिन ने कह दी बड़ी बात, नेतन्याहू से इस मुद्दे पर जताई सहमति

मॉस्को, । ईरान और इजरायल के बीच जंग हर रोज और ज्यादा घातक होती जा रही है। ईरान ने सरेंडर करने से साफ इनकार कर दिया है तो वहीं, इजरायल ने भी ईरान के साथ किसी भी तरह की बातचीत से इनकार कर दिया है। अब इस जंग के मुद्दे पर रूस के के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बड़ा बयान जारी किया है। पुतिन ने इजरायल और ईरान के बीच जंग को खत्म करने के लिए मध्यस्थता की पेशकश की है। इसके अलावा पुतिन ने ये भी कहा है कि वह इजरायल के नेताओं की इस बात से सहमत हैं कि उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए।

दरअसल, रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसियों के वरिष्ठ पत्रकारों के साथ बैठक की है। इस बैठक के दौरान पुतिन ने कहा है कि रूस एक समझौता करवा सकता जिसके अनुसार ईरान परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्वक तरीके से आगे बढ़ सकता है और इजरायल की सुरक्षा चिंताएं भी कम हो सकती हैं। पुतिन ने कहा है कि यह संवेदनशील मुद्दा है और मेरे विचार से, एक समाधान निकल सकता है।

## बांग्लादेश में एक और हिंदू युवक की हत्या, अब किराना व्यापारी को बनाया निशाना; 18 दिन में 6 मौतें

ढाका , । बांग्लादेश में भय और तनाव का माहौल है। अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। ताजा मामला नरसिंदी जिले से जुड़ा है, जहां किराना व्यापारी मणि चक्रवर्ती की बदमाशों ने हत्या कर दी। यह घटना सोमवार रात करीब 8 बजे की बताई जा रही है।, मिली जानकारी के अनुसार, मणि चक्रवर्ती चारसिंदुर बाजार में किराने की दुकान चलाते थे। यह बाजार नरसिंदी जिले के पलाश उपजिला क्षेत्र में स्थित है। मणि चक्रवर्ती साधरचर यूनियन, शिबपुर उपजिला के निवासी थे और मदन ठाकुर के पुत्र थे। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, मणि चक्रवर्ती रोज की तरह अपनी दुकान पर मौजूद थे, तभी अज्ञात हमलावरों ने अचानक उन पर हमला कर दिया। हमले में वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाने की कोशिश की, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे इलाके में भय और तनाव का माहौल है। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि मणि चक्रवर्ती शांत स्वभाव के व्यक्ति थे और उनका किसी से कोई विवाद होने की जानकारी नहीं थी। खुले बाजार में इस तरह की नृशंस हत्या से व्यापारियों और आम लोगों में असुरक्षा की भावना और गहरी हो गई है। स्थानीय समुदाय के जागरूक लोगों ने घटना पर गहरी चिंता जताई है। उनका कहना है कि अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के एक व्यापारी की सार्वजनिक रूप से हत्या बेहद गंभीर और चिंताजनक है। उन्होंने प्रशासन से आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई की मांग की है।यह बाजार नरसिंदी जिले के पलाश उपजिला क्षेत्र में स्थित है। मणि चक्रवर्ती साधरचर यूनियन, शिबपुर उपजिला के निवासी थे और मदन ठाकुर के पुत्र थे। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, मणि चक्रवर्ती रोज की तरह अपनी दुकान पर मौजूद थे, तभी अज्ञात हमलावरों ने अचानक उन पर हमला कर दिया।

## संपादकीय

# सार्वजनिक सुनवाई से डरती राजनीतिक पार्टियां

किसी भी लोकतंत्र में, सत्ता में कोई भी पार्टी क्यों न हो, ऐसे अधिकारियों को बुलाने, उन्हे जवाबदेह बनाने के कई लाभ हैं। सबसे पहले, यह जवाबदेही सुनिश्चित करता है। चुने हुए प्रतिनिधि कार्यकारी अधिकारियों से सवाल कर सकते हैं, जो जनता की ओर से होता है। इससे भ्रष्टाचार, दुरुपयोग या नीतिगत असफलताओं पर रोशनी पड़ती है। उदाहरण के लिए, अमेरिका में पटेल की सुनवाई से एपस्टीन फाइलों पर जनता को जानकारी मिली, जो अन्यथा छिपी रह सकती थी।

अमेरिका की व्यवस्था और राजनीति में हाल फिर एक ऐसी घटना घटी जब एफबीआई निदेशक काश पटेल को कांग्रेस की हाउस %यूडिशियरी कमिटी ने तलब किया। दिसंबर 2025 में ही उनसे जवाब तलब हुआ। पटेल को जेफरी एपस्टीन फाइलों, एफबीआई की पारदर्शिता और अन्य विवादास्पद मुद्दों पर अमेरिकी सांसदों ने कड़े सवाल किए। सुनवाई के दौरान एक एपस्टीन वीडियो चलाया गया, जिससे सदन में हंगामा हुआ। पटेल ने दावा किया कि एपस्टीन की फाइलों में इस बात का कोई विश्वसनीय सबूत नहीं है कि उन्होंने अन्य लोगों को ट्रैफिकिंग की गई पीड़िता महिलाएं प्रदान की थी। और जांच पुराने गैर-अभियोजन समझौतों से बंधी हुई है।

उन्होंने कहा कि ट्रंप प्रशासन ने ही एपस्टीन के खिलाफ मामले को खोला था जबकि पहले के प्रशासन (ओबामा और बाइडेन) ने फाइलें जारी नही कीं। डेमोक्रेट सांसदों ने पटेल पर ट्रंप को बचाने का आरोप लगाया, जबकि पटेल ने इनकार किया। उन्होने कहा कि सभी कानूनी रूप से जारी करने योग्य जानकारी साझा की जा रही है। सुनवाई में एजेंटों की पुनर्नियुक्ति, चार्ली किर्क की हत्या की जांच और एफबीआई के राजनीतिकरण जैसे मुद्दे भी उठे, जहां पटेल ने अपराध दर में कमी और गिरफ्तारियों में वृद्धि का हवाला दिया।

यह सुनवाई अमेरिकी लोकतंत्र की एक प्रमुख विशेषता को दर्शाती है। कांग्रेस याकि संसद द्वारा कार्यकारी अधिकारियों को सार्वजनिक रूप से जवाबदेह ठहराना वहां परंपरा है। काश पटेल, जो ट्रंप के करीबी सहयोगी हैं और एफबीआई निदेशक के रूप में नियुक्त हुए, को सितंबर 2025 में भी सीनेट और हाउस कमिटियों के समक्ष भी पेश होना पड़ा था। लेकिन दिसंबर की सुनवाई अधिक विवादास्पद रही क्योंकि इसमें एपस्टीन स्कैंडल पर फोकस था। सुनवाई के दौरान सांसदों ने पटेल से सीधे सवाल किए, जैसे एपस्टीन फाइलों में ट्रंप का नाम कितनी बार आया और क्यों रेडैक्शन (संशोधन) के लिए लगभग 1,000 एजेंटों को लगाया गया।

पटेल ने इनकार किया कि संसाधनों का दुरुपयोग हुआ और कहा कि जांच चल रही है, लेकिन अदालती आदेशों से बंधे हैं। इस तरह की सुनवाई लाइव प्रसारित होती हैं, जो जनता को सीधे देखने का अवसर देती हैं और यह अमेरिकी संविधान की जांच और संतुलन की व्यवस्था का हिस्सा है।यदि तुलना की जाए तो भारत में भी यों संसद द्वारा किसी अधिकारी को बुलाने की प्रक्रिया है। लेकिन यह अमेरिकी कांग्रेस की तरह सार्वजनिक और जवाबदेही में सख्त नहीं होती। भारतीय संसद की स्थायी समितियां, जैसे लोक लेखा समिति (पीएसी), अनुमान समिति या संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी), अधिकारियों को बुला सकती हैं और पूछताछ कर सकती हैं। उदाहरण के लिए, 2जी स्पेक्ट्रम घोटाले में जेपीसी ने अधिकारियों को समन किया था, लेकिन ये कार्यवाहियां बंद दरवाजों के पीछे होती हैं, मीडिया को अनुमति नहीं होती और कोई लाइव ब्रॉडकास्ट भी नहीं होता।अमेरिका में जहां सुनवाई टीवी पर लाइव होती है और सांसद अधिकारियों को कड़े सवाल भी कर सकते हैं, भारत में यह गोपनीय रहती है ताकि जांच प्रभावित न हो। भारतीय संविधान के अनु%छेद 105 और 118 के तहत समितियां स्वतंत्र हैं, लेकिन सार्वजनिक सुनवाई की परंपरा नहीं है।

# भारत में अंग्रेजी राज ही बेहतर था!

पिछले पचास वर्षों से देसी भारतीय नेताओं के पास केवल दलीय लड़ाई, गद्दी छीन-झपट की तिकड़में भर हैं। एक-दूसरे के प्रति द्वेष, झूठे-सच्चे आरोपों की पोटली है। उसी से लोगों को उकसाना और वोट-बटोरन मंसूबे ही उन की फुलटाइम चिन्ता दिखती है।ज नेताओं का परनिंदक, शेखीबाज, और अतीतजीवी होना हिन्दू समाज की असमर्थता का संकेत है।

एक तरफ आए दिन मैकॉले, कोलोनियलिज्म, आदि की निन्दा। दूसरी तरफ भारत विश्वगुरू था, वेदों में आधुनिक साइंस की बातें हैं, आदि। इस तरह की बातों का प्रचार, व्याख्यान, प्रकाशन देश में फैला हुआ है। दोनों प्रवृत्तियों में एक चीज समान है — पीछे देखना। जिस का मतलब सामने की चुनौतियों से कन्नी कटाना भी हो जाता है। यह आधुनिक भारत का सामान्य दृश्य है। दोनों प्रवृत्तियाँ देसी नेताओं की देन हैं, जो अब राष्ट्रीय विशेषता सी बन गई है। आम हिन्दू नेता पीछे देखने वाले रहे हैं। अतीतजीवी हैं। प्राय: अप्रासंगिक, अतिरंजित बातें करते। किसी न किसी को कोसना, नीचा बताना, या डींग हाँकना। इस के लिए उदाहरण व या बहाने प्राय: सदियों, दशकों पहले के व्यक्तियों, घटनाओं, परिघटनाओं से लेना। अर्थात उन के पास भविष्य तो दूर, वर्तमान की भी दृष्टि नहीं है। ऊपर से आराम पसंद। कोसने, निन्दा करने में भी किसी वर्तमान दुष्ट या खतरनाक शत्रु पर चुप्पी। सुरक्षित निशाने चुनना- जैसे मैकॉले या नेहरू।इसीलिए, उन्हें संसद में किसी वर्तमान समस्या, दुष्ट, या प्रत्यक्ष खतरे पर चर्चा करते नहीं पाया जाता। वे प्राय: किसी निरापद प्रतिद्वंद्वी नेता, दल, या किसी दिवंगत विदेशी को कोसते मिलते हैं।इसी तरह, कोलोनियलिज्म को कोसना भी विचित्र है! हर साल हजारों युवा प्रतिभाओं के विदेश चले जाने, और प्राय: उधर ही बस जाने पर वे ध्यान तक नहीं देते। उन्हें योग्य और प्रतिभाशाली व्यक्तियों को देश में रखने, प्रोत्साहित करने की परवाह नहीं। उलटे ऐसे 'भारतवंशियों' पर गर्व करते हैं जो बाहर अमेरिकी कंपनियों में अच्छे पदों पर हैं। तब उन्हें ध्यान नहीं आता कि यह 'उपलब्धि' यहाँ मैकॉले नीति की देन है।उपनिवेशवाद को कोसने वाले इस से अबोध लगते हैं कि अमेरिका, यूरोप, अरब जाकर रहने वाले लाखों भारतीय स्वेच्छा से विदेशी शासन में रहने जाते हैं! जहाँ वे बरसों, दशकों, या आजीवन बिना राजनीतिक अधिकार के दूसरे दर्जे के नागरिक जैसे रहते हैं। इसी पर भारतीय नेता गर्वित होते हैं! वरना, 'भारतवंशी' कर्मचारियों, शोधकर्ताओं, कारीगरों, आदि पर इतराना क्या है?तब तो भारत में अंग्रेजी राज ही बेहतर था! जब विदेशी का शासन पसंद है, यदि अपनी सुरक्षा और उन्नति का मार्ग खुला हो — तब यह अंग्रेजी राज ने दिया ही था। बड़े-बड़े भारतीय महापुरुषों ने लिखा है कि सदियों बाद भारतीय जनगण को अंग्रेजी राज ने शान्ति, सुरक्षा, उन्नति दी। हिन्दुओं को ऊपर से सामाजिक, राजनीतिक समानता भी मिली जो उन्हें मुगल राज में नहीं थी।परन्तु सब कुछ जोड़कर विवेकशील विचार करना — मानो देसी नेताओं की क्षमता से बाहर रहा है। वे रुटीन काम, दूसरों पर प्रतिक्रिया, और कठिन मुद्दों पर चुप रहते हैं। अपनी ओर से कोई रचनात्मक विचार या काम उन की चिन्ता नहीं रही है। सभी दलों के अधिकांश नेता ऐसे ही हैं। विचार-दुर्बल और पदलोलुप। चाहे पद राजकीय हो या दलीय।संसद के सत्र खँगालें, या मीडिया हेडलाइनें जमा करें — दशकों से यही मिलेगा। पूरे परिदृश्य में क्रमश: गिरावट भी आती गई। देसी नेताओं द्वारा 1947 में सत्ता-ग्रहण बाद दो दशक तक स्थिति कुछ भिन्न थी। तब आर्थिक योजनाएं, विदेश नीति, अंतरराष्ट्रीय समस्याएं, आदि पर विचार में नेता लोग समय देते थे। इस का कारण ब्रिटिश राज की शिक्षा और परंपरा थी जिस के पास दृष्टि थी। जिस के अनुकरण और प्रतिद्वंद्विता में ही हमारे वे नेता बने जिन्होंने अंग्रेजों के बाद देसी राज शुरू किया। अत: 1960 के दशक के अंत तक संसदीय विमर्श में जो विविधता और गंभीरता थी भी, उस का श्रेय ब्रिटिश शिक्षण-संसर्ग को है जो हमारे नेताओं को यहाँ से लेकर इंग्लैंड तक मिलता रहा था। उदारवाद, संविधानवाद, स्थानीय प्रशासन, लोकतंत्र, वोट, समाजवाद तथा स्कूल से विश्वविद्यालय तक की संपूर्ण शिक्षा और अखबार तक — सब कुछ ब्रिटिशों से मिला था।इसलिए, 1970 के दशक से हमारे नेताओं के विचारों और आम बौद्धिक चर्चा में जो गिरावट आई, वह विशुद्ध देसी चीज है। इस में कोई भविष्य-दृष्टि, कोई मौलिकता नहीं है। इसीलिए, गत पचास सालों से देसी दृष्टि के नाम पर कोई दस्तावेज नहीं मिलता। उस के बदले केवल बदलते नारे हैं। 'समाजवाद' और 'हिन्दू राष्ट्र' कब का भुलाया जा चुका। 'गैर-कांग्रेसवाद', 'इन्दिरा हटाओ', 'लोकतंत्र बचाओ', आदि भी केवल कुर्सी-कब्जे की लड़ाइयों के नाम थे। किसी में विजन नहीं था। अब तो वे नारे बनाने में भी असमर्थ हैं! जो बनते हैं, इतने खोखले कि चार साल भी नहीं टिक पाते। नेता खुद उसे चुपचाप छोड़ देते हैं। फिर जुमलों, तमाशों से काम चलाते हैं। सेल्फी, मूर्तियाँ, आदि के झुनझुने लोगों को थमाते है। यह सब वैचारिक खालीपन के ही संकेत हैं। अब किसी नेता के पास नेहरू की तरह, उधार का भी सही, कोई विचार नहीं जिस पर उन की निष्ठा हो। इसीलिए, नेहरू, राजेन्द्र प्रसाद, राजगोपालाचारी, क.मा. मुंशी, लोहिया, आदि की तरह गंभीर पुस्तकें लिखना भी अब नेताओं द्वारा नहीं होता। उन में अब सुसंगत लेख लिखने लायक भी खोजने से मिलते हैं। जबकि ब्रिटिश राज में और उस के मोमेंटम में 1960 तक हर दूसरा-तीसरा बड़ा भारतीय नेता लेखक, संपादक भी हुआ करता था। उस के बाद से क्या हुआ?पिछले पचास वर्षों से देसी भारतीय नेताओं के पास केवल दलीय लड़ाई, गद्दी छीन-झपट की तिकड़में भर हैं। एक-दूसरे के प्रति द्वेष, झूठे-सच्चे आरोपों की पोटली है। उसी से लोगों को उकसाना और वोट-बटोरन मंसूबे ही उन की फुलटाइम चिन्ता दिखती है।1970 के दशक के बाद, धीरे-धीरे 'समाजवाद' और 'गुटनिरपेक्षता' बेकार हो जाने पर देसी दिमाग में, देश-विदेश के बारे में, कोई सार्थक विचार नहीं आया। केवल इन्दिरा, कांग्रेस, संघ, या ब्राह्मणों की निन्दा आ गई। इस्लामी तुष्टिकरण और जातिवाद से वोट फसल काटने पर सब कुछ केंद्रित होता गया। 'हिन्दुत्व' का शिगूफा छोड़ने वाले खुद ही उस से भाग कर 'विकास' पर आ गए। सभी नारे, शिगूफे वोट की लड़ाई रहे हैं। विदेश दौरों पर भी नेता अपने प्रतिद्वंद्वी की छीछालेदर करते हैं। उन्हें देश के प्रतिनिधि होने का बोध तक भूल जाता है। तब राष्ट्रीय दृष्टि के नाम पर क्या है?वस्तुत: देसी राज में शिक्षा, संस्कृति, और आंतरिक सुरक्षा संबंधी बिन्दु भी असल चिन्ता से दूर होते गये। फलत:, कश्मीर, असम, पंजाब, बंगाल, बिहार, आदि की अपनी-अपनी तरह दुर्गति होती गई। उस पर चिन्ता के बदले वह भी सत्ता और विपक्ष के बीच तू-तू-मैं-मैं के हीले के सिवा कुछ खास नहीं रही। सब मिल कर किसी विषय पर रचनात्मक रूप से सोचें — ऐसा संसद में पिछली बार कब हुआ था?अंग्रेज शासक ब्रिटिश भारत के हित की दृष्टि से चीन, रूस, और अरब तक पर नजर रखते थे। उस की व्यवस्था करते थे, अड़ते थे। देसी शासक एक ही पीढ़ी में अधिकांश ऐसे आ गये जो अपने लोकसभा क्षेत्र से आगे देखने में असमर्थ थे! अनेक मंत्री अपने लोकसभा क्षेत्र को नियामतें देकर अपना अगला चुनाव पक्का करने, तथा पार्टी आलाकमान की आरती उतारने से अधिक कुछ जरूरी नहीं समझते। देसी राज के आम नेता ऐसे हो गये, जिन्हें 'अखिल भारतीय' चिन्ता छू तक नहीं गई थी! यह संसद और विधानसभाओं की कार्रवाइयों का आकलन भी दिखा सकता है कि गत पचास सालों में वहाँ क्या चर्चाएं हुई, और नहीं हुई? कम्युनिज्म के विघटन, इस्लामी आतंकवाद के प्रसार, या कश्मीर से हिन्दुओं के सफाए पर कभी कोई विचार हुआ? यदि नहीं, तो इस पर किसी राष्ट्रीय नीति का अभाव रहना तय था।

## व्यापार

# 10,488 करोड़ की ब्लॉक डील की खबर से विशाल मेगा मार्ट का शेयर टूटा

मुंबई, खुदरा विक्रेता विशाल मेगा मार्ट लिमिटेड के शेयरों में कारोबार के दौरान 7 फीसदी से अधिक की गिरावट आई. कई उद्योग सूत्रों के अनुसार ऐसी खबरें हैं कि विशाल मेगा मार्ट की प्रोमटर यूनिट समयत सर्विसेज एलएलपी ने एक ब्लॉक डील में 10,488 करोड़ रुपये की हिस्सेदारी बेच दी है.मंगलवार, 17 जून को ओपनिंग बेल से पहले, ब्लॉक डील विंडो में, फर्म के लगभग 91 करोड़ शेयर या 20.2 फीसदी इक्विटी का कारोबार 115 रुपये प्रति शेयर की कीमत पर हुआ. यह पिछले सत्र के समापन मूल्य से लगभग 8 फीसदी की छूट दिखाता है.

विशाल मेगा मार्ट के शेयर की कीमत में अचानक गिरावट का मुख्य कारण कंपनी के प्रमोटर, समयत सर्विसेज एलएलपी द्वारा बड़ी हिस्सेदारी की संभावित बिक्री थी. रिपोर्टों से पता चला है कि समयत सर्विसेज ने ब्लॉक डील के माध्यम से कंपनी में अपनी लगभग 20 फीसदी इक्विटी बेची है.

रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 91 करोड़ शेयरों का एक्सचेंज 115 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से हुआ, जिससे इस सौदे का मूल्य लगभग 10,488 करोड़ रुपये हो गया. हालांकि, सौदे में शामिल पक्षों के बारे में आधिकारिक जानकारी अभी तक नहीं दी गई है.

इससे पहले आई खबरों में बताया गया था कि प्रमोटर ब्लॉक डील के जरिए कंपनी में 10 फीसदी की छोटी हिस्सेदारी बेचने की योजना बना रहा है. इसकी अनुमानित कीमत 5,057 करोड़ रुपये थी और इसे 110 रुपये प्रति शेयर के फ्लोर प्राइस पर बेचा जाना था. यह कीमत सोमवार को बंद भाव 124.90 रुपये से करीब 12 फीसदी कम थी.

31 मार्च, 2025 तक, विशाल मेगा मार्ट में समय सर्विसेज की हिस्सेदारी 74.55 फीसदी थी. कंपनी एक मिड-कैप स्टॉक है जिसका बाजार मूल्य 58,096 करोड़ रुपये है और इसे 18 दिसंबर, 2024 को स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध किया गया था.

हाल ही में आई गिरावट के बावजूद, विशाल मेगा मार्ट के शेयरों ने इस साल कुल मिलाकर अच्छा प्रदर्शन किया है. 2025 में अब तक वे 18 फीसदी चढ़ चुके हैं, जो निफ्टी इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन है, जिसने इस साल अब तक 5 फीसदी का रिटर्न दिया है. कंपनी की लिस्टिंग के बाद से शेयर में 12 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है.

## विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराना, क्रिकेट के लिए शुभ संकेत

शनिवार को टेस्ट चैंपियनशिप के निर्णायक मैच में लॉर्ड के ऐतिहासिक मैदान पर चौथे दिन साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराकर खिताब जीता है और यह 27 वर्ष के इंतजार के बाद साउथ अफ्रीका जीता है।एक तरह से देखा जाय तो यह क्रिकेट खेल की जीत है। साउथ अफ्रीका टीम कई बार एक दिवसीय विश्व कप में कभी फाइनल में तो कभी सेमीफाइनल में हार कर बाहर हो गई।ऐसा 1999,2003,2007, में हुआ।उस टीम में एलन डॉनल्ड, हडसन,गिब्स, जोंटी रोड्स, शॉन पोलॉक, गैरी क्रिस्टन, ग्रीन स्मिथ, और महान ऑलराउंडर जैक कैलिस, ए बी डिविलियर्स थे लेकिन भाग्य साथ नहीं देता था।अबकी बार टेस्ट मैच चैंपियन शिप में डुब्मा की टीम ने प्रतिष्ठित टूर्नामेंट जीता है।

साउथ अफ्रीका की क्रिकेट 19वीं सदी से क्रिकेट खेल रही है और विश्व में ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड के समकक्ष माना जाता है।

20 वी सदी में साउथ अफ्रीका में जोहानिसबर्ग, डरबन,

न्यूलैंड, सरीखे मैदान बने ।ये क्रिकेट ग्राउंड, लॉर्ड, लीड्स, बर्मिंघम, जॉर्जटाउन, पोर्ट ऑफ स्पेन, मेलबर्न,सिडनी, ऑकलैंड, वेलिंगटन, ब्रिस्बेन, पर्थ, कोलकाता,मुंबई का बनखेड़े, चिन्नास्वामी,आदि जैसे ही है।जिन देशों में इंग्लैंड ने उपनिवेश बनाया वही वही क्रिकेट खेल का विकाश हुआ ।जैसे भारत, श्रीलंका, पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका, न्यूजीलैंड, वेस्ट इंडीज, जिम्बाम्बे,आदि ।भारत में क्रिकेट कुछ इस प्रकार रमा कि पूरी पीढ़ी,युवा, बुजुर्ग क्रिकेट के दीवाने हो गए।भारत में दिल्ली का फिरोजाबाद कोटला मैदान, कानपुर का ग्रीन पार्क, अहमदाबाद का नरेंद्र मोदी स्टेडियम, हैदराबाद का राजीव गांधी, रांची, गोहाटी, धर्मशाला, सूरत, राजकोट, तिरुअनंतपुरम, विशाखापत्तनम,कटक, भुवनेश्वर,में सहित कुल 22 टेस्ट और एकदिवसीय मैचों के मैदान हैं।

साउथ अफ्रीका में रंगभेद नीति के कारण क्रिकेट से 1961 में अलग किया गया था और 1991में जोड़ा गया। साउथ अफ्रीकी टीम में कैपलर वेसल्स,ग्रीम पोलॉक, माइक प्राक्टर

नामक खिलाड़ी इस दौरान टेस्ट ही नहीं खेल पाए क्योंकि टीम प्रतिबंधित थी। टेस्ट चैंपियनशिप का फॉर्मेट ऐसा है कि उसका साइकिल दो साल में पूरा होता है यह तीसरा डब्ल्यूटीसी था।पहला डब्ल्यूटीसी ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराकर जीता था और दूसरा न्यूजीलैंड ने भी भारत को हराकर जीता था। भारत का क्रिकेट में उदय 1983 में विश्व कप जीतने के बाद हुआ हालांकि भारत टेस्ट मैच खेल रहा है 1944 से ।लेकिन अब इंडिया क्रिकेट का सुपर पावर है। ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका, न्यूजीलैंड, इंग्लैंड, आदि भारत के साथ खेलना इस लिए सबसे अच्छा मानते क्योंकि उस देश को टीवी प्रसारण से सबसे अधिक पैसा मिलता है क्योंकि तब टीआरपी बहुत अधिक होती है। आईसीसी को सबसे अधिक धन भारत ही उपलब्ध करता है।डब्ल्यूटीसी में जीत हासिल करने के बाद साउथ अफ्रीकी टीम का मनोबल ऊंचा होगा और उनसे चोकर्स का टैग कुछ हद तक हट जाएगा। बुमा की टीम की जीत में मकरान और कासिगो रवांडा ने उल्लेखनीय भूमिका निभाई। मार्करन को मन ऑफ द मैच घोषित किया गया। ऑस्ट्रेलिया इस जीत प्रबल दावेदार था लेकिन दूसरी पारी में अधिक स्कोर नहीं बना सका ।इस जीत से वेस्ट इंडीज, जिम्बाम्बे, श्रीलंका, पाकिस्तान क्रिकेट को भी बल मिलेगा क्योंकि इन देशों क्रिकेट मरी हुई है।

## सपाट पर खुला शेयर बाजार, सेंसेक्स 100 अंक टूटा, निफ्टी 24,935 पर

मुंबई, । कारोबारी सप्ताह के दूसरे दिन शेयर बाजार लाल निशान पर खुला. बीएसई पर सेंसेक्स 100 अंकों की गिरावट के साथ 81,695.39 पर ओपन हुआ. वहीं, एनएसई पर निफ्टी 0.04 फीसदी की गिरावट के साथ 24,935.70 पर खुला.

कारोबारी सप्ताह के पहले दिन शेयर बाजार ग्रीन जोन में खुला. बीएसई पर सेंसेक्स 677 अंकों की बढ़ोतरी के साथ 81,796.15 पर क्लोज हुआ. वहीं, एनएसई पर निफ्टी 0.92 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 24,946.50 पर बंद हुआ.

एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी, ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन, हीरो मोटोकॉर्प, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी और सिप्ला के शेयरों में 3 फीसदी तक की तेजी आई.कारोबार के दौरान निफ्टी पर एचडीएफसी लाइफ, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, टेक महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट, अडाणी एंटरप्राइजेज के शेयर टॉप गेनर के लिस्ट में शामिल रहे. जबकि टाटा मोटर्स, डॉ रेड्डीज लैब्स, सन फार्मा, अदानी पोर्ट्स, जियो फाइनेंशियल के शेयर टॉप लूजर के लिस्ट में शामिल रहे. सभी सेक्टोरल इंडेक्स हरे निशान में कारोबार किए, जिसमें कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, मेटल, आईटी, रियल्टी, एफएमसीजी 0.4-1 फीसदी उछाल आया. बीएसई मिडकैप इंडेक्स 0.6 फीसदी ऊपर रहे, जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स सपाट पर बंद हुआ. इजरायल-ईरान संघर्ष के बढ़ने से दो दिन की गिरावट के बाद सोमवार को एशियाई बाजारों में बढ़त और घरेलू अस्थिरता में कमी के कारण बेंचमार्क इक्विटी सूचकांक में उछाल आया.

# अब सिर्फ 10 से 15 सेकंड में होगा यूपीआई पेमेंट, लागू हुआ नया नियम

नई दिल्ली, । यूपीआई ट्रांजेक्शन और तेज हो गए हैं. नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने अब आदेश दिया है कि यूपीआई पेमेंट के लिए एड्रेस वेरिफिकेशन 10 सेकंड के भीतर पूरा हो जाना चाहिए. यूपीआई एक रियल-टाइम पेमेंट सिस्टम है जिसे एनपीसीआई ने मोबाइल फोन के जरिए इंटर-बैंक ट्रांजेक्शन को आसान बनाने के लिए विकसित किया है. एनपीसीआई की ओर से जारी सर्कुलर के मुताबिक, मनी ट्रांसफर, स्टेटस चेक, रिवर्सल समेत सभी ट्रांजेक्शन अब 10 से 15 सेकंड में पूरे हो जाएंगे. पहले यह समय 30 सेकंड था. सोमवार से लागू हो गया है. यानी अब यूपीआई पेमेंट करते समय एड्रेस वेरिफिकेशन सिर्फ 10 सेकंड में हो जाएगा. पहले यह समय 15 सेकंड था. एनपीसीआई ने बताया कि ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के उद्देश्य से ये बदलाव लाए गए हैं. एनपीसीआई के एक अन्य सर्कुलर के मुताबिक, जल्द ही यूपीआई अकाउंट में बैलेंस चेक करने की सीमा तय की जाएगी. फिलहाल ग्राहक अपने अकाउंट में जितनी बार चाहें, बैलेंस चेक कर सकते हैं. लेकिन जल्द ही यह सीमा दिन में केवल 50 बार चेक करने की होगी. ऐसा लगता है कि ऐसा यूपीआई सिस्टम की दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से किया जा रहा है. मई में यूपीआई के माध्यम से किए गए लेनदेन की संख्या 33 फीसदी बढ़कर 1,868 करोड़ रुपये हो गई, जबकि कुल मूल्य 23 फीसदी बढ़कर 25.14 लाख करोड़ रुपये हो गया. इसलिए यह सुनिश्चित करने के लिए कि यूपीआई लेनदेन में कोई समस्या न हो और उपभोक्ताओं में यह विश्वास पैदा हो कि पैसा सही लाभार्थी को भेजा जा रहा है, एनपीसीआई ने आदेश दिया है कि केवल अंतिम लाभार्थी का नाम ही प्रदर्शित किया जाए. इसके अलावा एनपीसीआई ने यूपीआई ऐप्स को किसी भी ऐसी सुविधा को अक्षम करने का निर्देश दिया है

# सौर संयंत्र स्थापना में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वेंडर होंगे सम्मानित

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में प्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में अद्वितीय कार्य किया जा रहा है। सरकार 'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली' योजना अंतर्गत घरों पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने का कार्य प्रतिबद्धतापूर्वक कर रही है। प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम श्री अमनबीर सिंह बैंस ने बताया है कि निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सौर संयंत्र स्थापना में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वेंडरों को सम्मानित किया जाएगा। एमडी श्री बैंस ने कहा कि जो वेंडर अपना कार्य ठीक प्रकार से नहीं करेंगे, उनके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। एमडी श्री बैंस ने विगत दिनों भोपाल मुख्यालय में प्रगति की समीक्षा कर सभी वेंडर्स कार्य में आने वाली दिक्कतों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने बताया कि कार्य क्षेत्र में आने वाली सभी समस्याओं का समय रहते समाधान किया जाएगा जिससे कि सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को समय सीमा में हासिल किया जा सके। लगभग सवा लाख संयंत्र किये स्थापित एमडी श्री बैंस ने बताया कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में एक लाख 21 हजार 392 घरों पर सौर संयंत्र स्थापित कर दिए गए हैं। सोलर सिस्टम स्थापित करने के लिए 847.13 करोड रुपए का अनुदान केंद्र सरकार द्वारा दिया गया है। उन्होंने बताया कि अभी तक एक लाख 92 हजार 647 आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं, आवेदन पत्रों पर त्वरित कार्यवाही कर संयंत्र स्थापित करने की कार्रवाई द्रुत गति से जारी है।उन्होंने बताया कि सौर संयंत्र स्थापना में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वेंडरों को सम्मानित किया जाएगा। एमडी श्री बैंस ने कहा कि जो वेंडर अपना कार्य ठीक प्रकार से नहीं करेंगे, उनके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।

## रामनवमी व चैती दुर्गा पूजा पर्व को लेकर राधानगर थाना परिसर में हुई शांति समिति की बैठक

रामनवमी व चैती दुर्गा पूजा पर्व को लेकर राधानगर थाना परिसर में सोमवार को शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एसडीओ राजमहल सदानंद महतो व एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से किया। शांति समिति की बैठक में जनप्रतिनिधि,बुद्धिजीवी तथा गणमान्य लोग उपस्थित रहें। इस दौरान एसडीओ सदानंद महतो ने लोगों से रामनवमी पर्व एवं चैती दुर्गा पूजा शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की अपील किया। वहीं एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी ने रामनवमी पर्व तथा चैती दुर्गा पूजा में जुलूस रूट चार्ट की जानकारी ली तथा शांतिपूर्ण तरीके से त्यौहार मनाने की अपील किया। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर असामाजिक पोस्ट करने पर कार्रवाई की जाएगी। कहा कि विधि व्यवस्था बनाएं रखने को लेकर अधिक भीड़ लगने वाली जगहों में पुलिस प्रशासन की तैनाती रहेगी। क्षेत्र में पुलिस प्रशासन को ड्यूटी के दौरान सहयोग करने की अपील किया। वहीं बीडीओ सह सीओ जयंत कुमार तिवारी ने लोगों से शांतिपूर्ण तरीके से रामनवमी पर्व मनाने की अपील किया। मौके पर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज,एसआई पंकज दुबे,सदानंद प्रसाद, एएसआई कान्हु मुर्मू,सकल हेंब्रम।

## उद्यमिता जागरूकता कार्यशाला का आयोजन, पर्यावरण संरक्षण का दिया गया संदेश

मॉडल कॉलेज राजमहल साहिबगंज में सोमवार को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (रूस्थ), धनबाद के सौजन्य से एक दिवसीय उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत विस्तृत कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य सह केंद्राधीक्षक डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने की। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के भीतर उद्यमिता की भावना विकसित करना तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत से हुआ, जहाँ प्राचार्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह द्वारा सभी अतिथियों का पारंपरिक तरीके से पेड़ (पौधा) भेंट कर स्वागत किया गया। इस अभिनव पहल के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता का सशक्त संदेश दिया गया। साथ ही अतिथियों एवं विद्यार्थियों द्वारा परिसर में पौधारोपण कर हरित परिसर, स्वच्छ परिसर की अवधारणा को आगे बढ़ाया गया। कार्यशाला के मुख्य वक्ता एमएसएमई ब्रांच कार्यालय, धनबाद के सहायक निदेशक दीपक कुमार ने सूक्ष्म, लघु एवं कुटीर उद्योगों की संरचना, महत्व तथा वर्तमान आर्थिक परिदृश्य में उनकी भूमिका पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला।

## संक्षिप्त समाचार

### मादक पदार्थ एमडीएमए तस्करी इन दिनों मकड़े की जाल की तरह राजमहल अनुमंडल क्षेत्र में तेजी से फैल रहा है

राधानगर एवं राजमहल थाना क्षेत्र में इन दिनों मादक पदार्थ एमडीएमए पाउडर का तस्करी मकड़ा की जाल की तरह शहर से लेकर गांव गांव तक जोर शोर से फैल रहा है। राधानगर 15 दिन में नशीली पदार्थ से जुड़े तीन तस्कर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। उनमें से राधानगर थाना कांड संख्या 89/23 के अप्राथमिकी आरोपित राजमहल थाना क्षेत्र अंतर्गत पूर्वी नारायणपुर के हसन टोला निवासी समसुल हक तथा राधानगर थाना कांड संख्या 443/25 के अप्राथमिकी आरोपित राजमहल थाना क्षेत्र अंतर्गत पूर्वी जामनगर पंचायत के उसमल्ली टोला निवासी अनारूल शेख शामिल है,अनारुल शेख थोक विक्रेता में एक है। उन्होंने पूछताछ के दौरान पुलिस को अवैध तस्करी में शामिल अन्य कई लोगों का नाम बताया है। पुलिस उनकी कुंडली खांगालने में जुटी है। पुलिस कि इस कर्रवाई से क्षेत्र में अवैध तस्करी पर विशेष प्रभाव नहीं पड़ा है। लोग कहते हैं अभी भी एक दर्जन तस्कर जेब में इलेक्ट्रॉनिक नापतोल मशीन व एमडीएमए पावडर लेकर राधानगर थाना क्षेत्र के कुत्ती मोड़,बरकात मोड़ अमानत नदी किनारे जुआ अड्डा, कुदरत आम बगीचा में राजमहल थाना क्षेत्र के फुलबड़ीय,मिछुटोला क्षेत्र में रात के अंधेरे में खरीदी बिक्री कर रहा है। इसकी गाढ़ी कमाई से तस्कर तो मालोमाल हो रहा हैं लेकिन प्रतिदिन सैकड़ो युवा इसके चपेट में आकर जेब खाली कर दिया है। बताया जाता है कि 5 ग्राम की कीमत 12 से 15 हजार रुपया लिया जाता हैं। तस्कर यहां के छोटे-छोटे विक्रेता को एजेंट के रूप में अलग-अलग क्षेत्र में तैयार कर दिया है। एक ग्राम का पन्नी में जेब में भरकर खुलेआम युवाओं को बेचा जा रहा हैं। स्थानीय पुलिस व अन्य एजेंसियों के स्तर पर अभियान चला कर अगर ठोस कार्रवाई नहीं की गई तो सैकड़ों युवा इसके चपेट में आ कर लाख रुपया बर्बाद कर सकता है। विशेष कर थाना क्षेत्र के दियारा स्थित पियारपुर,अमानत, बालूग्राम, प्राणपुर बापछाड़ा के शांति मोर फुलबड़ीया नशेड़ियों का बड़ा अड्डा बन चुका है। रात करीब 8:00 बजें से 12 बजे तख चिन्हित इलाकों में खरीदी बिक्री कर सेवन कर रहा है। स्थानीय कुछ बुजुर्गों ने बताया कि इसमें ज्यादातर 15 से 45 साल के उम्र का युवा शामिल हैं।

# स्मृतिशेष चंद्रशेखर शुक्ल 'बेबी भइया' की प्रथम पुण्यतिथि पर उमड़ा जनसैलाब

**सुल्तानपुर ।** समाजसेवा के क्षेत्र में अपनी अमिट छाप छोड़ने वाले, लोकाधिकार सेवा समिति के संस्थापक एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, सुविख्यात समाजसेवी स्मृतिशेष चंद्रशेखर शुक्ल 'बेबी भइया' की प्रथम पुण्यतिथि पर उनके पैतृक गांव रेवारी, बेलहरी (जनपद सुल्तानपुर) में सोमवार, 23 मार्च 2026 को भव्य श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन उनके ज्येष्ठ पुत्र एवं लोकाधिकार सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल 'रिंकू भइया', छोटे पुत्र प्रशांत चंद्रशेखर शुक्ल एवं ब्लॉक प्रमुख जयसिंहपुर राहुल चंद्रशेखर शुक्ल के संयोजन में हुआ। इस अवसर पर प्रदेश एवं जिले के अनेक गणमान्य व्यक्ति, जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं समाजसेवी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में पूर्व राज्यपाल के विधिक सलाहकार एस.एस. उपाध्याय, भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी, विधायक राजप्रसाद उपाध्याय, राजेश गौतम, रमेश चंद्र मिश्रा सहित कई वरिष्ठ नेता, अधिकारी एवं बुद्धिजीवी शामिल रहे। सभा में उपस्थित वक्ताओं ने बेबी भइया के व्यक्तित्व और कृतित्व को याद करते हुए कहा कि उन्होंने समाजसेवा को अपना जीवन समर्पित कर दिया।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश रेडक्रॉस सोसायटी की राज्य शाखा द्वारा म.प्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् ( मेपकास्ट ) में आयोजित 'सेवा सम्मान समारोह' को संबोधित किया।

## कई गाथाओ को समेटे बाबा फर्म्स के कागजो की जाँच मे मिली गड़बड़ी तो ईओ ने किया टेंडर निरस्त

**सुल्तानपुर।** नगर पालिका द्वारा आगामी सत्र 2026-27 के लिए निकाला गया टेंपो टैक्सी ई रिक्शा पार्किंग लोडिंग अन लोडिंग व ठहराव शुल्क का टेंडर टेक्निकल बिड की जाँच के बाद तीन फर्मो के कागजात मे कमिया पाए जाने के बाद अधिशाषी अधिकारी लाल चंद्र सरोज द्वारा सोमवार को निरस्त कर दिया गया । सोमवार को दोपहर बाद टेक्निकल बिड खुलने पर जाँच अधिकारियों ने टेंडर पत्रवालियो की जाँच मे खामिया पाई थी जिम्मेदार अफसरों द्वारा इसे अब नये सिरे से निकाल कर निविदा प्रक्रिया पूर्ण कराये जाने के निर्देश जारी किये गए। नगर पालिका से जुड़े सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आगामी सत्र के लिए टेंपो टैक्सी पार्किंग शुल्क ई रिक्शा लोडिंग अनलोडिंग ठहराव शुल्क का नगर पालिका द्वारा टेंडर निकाला गया था सोमवार को चार फर्म ने टेंडर प्रक्रिया मे भाग लिया। दोपहर बाद नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा टेक्निकल बिड खोली गई टेक्निकल बिड खुलने के बाद फर्म के ठेकेदारों की मौजूदगी में टेक्निकल विड में प्रस्तुत किए गए कागजात की जांच की गई शुक्ला इलेक्ट्रिकल्स एंड कंस्ट्रक्शन द्वारा जताई गई आपत्ति के बाद जांच में नगर पालिका के राजश्व निरीक्षक प्रवीण सिंह कर निरीक्षक अनूप भारती व इंजीनियर हनुमान सिंह ने बारीकी से सभी फर्मो के कागजात की जांच की। जांच में पाया गया कि सैनिक इंटरप्राइजेज फर्म में नगर पालिका की सीमा के अंतर्गत मांगी गई 25 लाख की गारंटी के उलट ग्रामीण क्षेत्र की लगभग 15 लाख की गारंटी लगाई गई है।

## 12 फरार आरोपियों पर 25-25 हजार का इनाम घोषित

**सुल्तानपुर ।** जिले के अखंडनगर थाना क्षेत्र में दर्ज एक मुकदमें से जुड़े 12 फरार आरोपियों पर पुलिस अधीक्षक चारु निगम ने 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। सभी आरोपी काफी समय से फरार चल रहे हैं और गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपने ठिकाने बदल रहे हैं। वहीं पुलिस के मुताबिक संबंधित मुकदमें में नामजद सभी आरोपी वांछित हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी ने प्रत्येक आरोपी पर इनाम घोषित किया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमों द्वारा लगातार छापेमारी की जा रही है। साथ ही जनपद स्तर पर विशेष अभियान भी चलाया जा रहा है।

## मेडिकल कॉलेज की लापरवाही

**सुलतानपुर मार्च ।** जनपद के मेडिकल कॉलेज में इलाज व्यवस्था पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। कूरेभार थाना क्षेत्र के राघवपुर गांव से आए एक गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को डॉक्टरों ने उपचार देने के बजाय रेफर कर दिया। हैरानी की बात यह रही कि बेसुध हालत में स्ट्रेचर पर पड़े घायल पिता की जिम्मेदारी उसकी नाबालिग बेटी के कंधों पर डाल दी गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार संपत्ति विवाद को लेकर पट्टीदारों ने व्यक्ति पर जानलेवा हमला कर दिया, जिससे उसके सिर पर गंभीर चोटें आईं। किसी तरह उसकी बेटी उसे लेकर जिला मेडिकल कॉलेज पहुंची और भर्ती कराया। घायल के हाथ में विगो लगी थी और वह अचेत अवस्था में था।

# समरथपुर में फायर स्टेशन का सपना अधूरा, 8 साल से नहीं शुरू हुआ निर्माण

**सुलतानपुर मार्च ।** बल्दीराय तहसील क्षेत्र के समरथपुर में प्रस्तावित अग्निशमन विभाग का फायर स्टेशन पिछले आठ वर्षों से निर्माण के इंतजार में है। भूमि आवंटन के बावजूद अब तक भवन निर्माण शुरू न होने से यह योजना कागजों तक सीमित रह गई है, जिससे क्षेत्रीय लोगों में गहरी नाराजगी व्याप्त है। वर्तमान में फायर ब्रिगेड की सेवाएं बलीपुर में एक निजी स्थान से अस्थायी रूप से संचालित की जा रही हैं। ऐसे में किसी भी आपात स्थिति में समय पर राहत पहुंचाना चुनौती बना हुआ है, जिससे जन-धन के नुकसान की आशंका बनी रहती है। ग्राम प्रधान राजेश तिवारी के अनुसार, फायर स्टेशन के लिए भूमि का आवंटन वर्षों पहले हो चुका है, लेकिन संबंधित विभाग की लापरवाही के चलते निर्माण कार्य अब तक शुरू नहीं हो सका। उन्होंने प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की है। किसान करुणानन्द मिश्र ने कहा कि फायर स्टेशन का निर्माण न होने से क्षेत्र के लोग हर समय खतरे के साये में जी रहे हैं। आगजनी की घटनाओं में समय पर सहायता न मिलने से किसानों की फसल और संपत्ति को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। वहीं भानू पाठक ने भी नाराजगी जताते हुए कहा कि वर्षों से सिर्फआश्वासन ही मिल रहा है, ।

# नई टीम के जरिए आगामी विधानसभा चुनाव जीतने पर लग सकता है ग्रहण ?

**बाराबंकी ।** लंबी कवायदों के बाद भाजपा की जिला कार्यकारिणी पर मुहर लग गई। संगठन विस्तार पर शीर्ष नेतृत्व की मुहर लगते ही भारतीय जनता पार्टी की घोषित जिला कार्यकारिणी को लेकर पार्टी के अंदर असंतोष के स्वर उभरने लगे हैं। खासतौर पर पार्टी संगठन के कुछ पुराने कद्दावर नेताओं को अपेक्षाकृत कम प्रतिनिधित्व मिलने से नाराजगी सामने आई है, जिसके चलते संगठन में गुटबाजी के भी संकेत मिल रहे हैं। पार्टी के कई कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं का मानना है कि इस बार कार्यकारिणी गठन में सामाजिक संतुलन पूरी तरह नहीं साधा गया है। इससे कुछ वर्गों में उपेक्षा की भावना पनप रही है। इसी असंतोष को दूर करने के लिए पार्टी के शीर्ष नेताओं ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ पदाधिकारियों को रूठों को मनाने के निर्देश दिए हैं ताकि आने वाले चुनाव पर इसका विपरीत असर न पड़े। विदित हो कि बीते 22 मार्च को भारतीय जनता पार्टी की जिला इकाई की नई कार्यकारिणी की घोषणा कर दी गई है। प्रदेश अध्यक्ष की संस्तुति के बाद जारी सूची में संगठन के विभिन्न पदों पर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है। नई टीम के गठन से एक ओर जहां संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। वहीं दूसरी ओर संगठन के कुछ पूर्व पदाधिकारियों व वरिष्ठ नेताओं को नई कार्यकारिणी में अपेक्षाकृत कम प्रतिनिधित्व दिया गया है। जिसके बाद कुछ ने तो पद से इस्तीफा तक देने की पेशकश कर दी है। वहीं कुछ बंद जुबान में एक वर्ग विशेष को अहम जिम्मेदारी देने की बात करके अपना विरोध जता रहे है। बहरहाल, भाजपा जिलाध्यक्ष राम सिंह वर्मा की नई टीम में आठ जिला उपाध्यक्ष, तीन जिला महामंत्री, आठ जिला मंत्री के अलावा अन्य पदों की कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई। खास बात यह रही कि महिलाओं और युवा कार्यकर्ताओं पर प्रदेश संगठन ने भरोसा जताया। सोशल मीडिया पर भाजपा की नई टीम की चर्चा और विरोध जोरों पर है। भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष रोहित सिंह ने सबसे ज्यादा नई टीम को विरोध किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा, भारतीय जनता पार्टी जनपद बाराबंकी की नई कार्यकारिणी पदाधिकारियो की सूची जारी हुई है जिसमें मुझे जिला संयोजक सोशल मीडिया बनाया गया है। मैं इतने बड़े पद को संभालने में असमर्थ हूं मैं इस पद से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा देता हूं। मेरे बाबा स्वव केदार बक्श सिंह जी ने हमेशा यही बताते रहते थे सम्मान से बढ़कर कुछ नहीं है।

## एक दिवसीय ब्लाक स्तरीय संगोष्ठी एव उनमुखीकरण कार्यक्रम सम्पन्न

स्थानीय कस्बा स्थित बिडला विद्या मन्दिर इंटर कालेज परिसर मे मांगवार को ग्राम प्रधान स्थानीय प्राधिकारी निकाय के सदस्यों एव प्रधानाध्यापको का उनमुखीकरण कार्यक्रम सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में आये विशिष्ठ अतिथि एव मुख्य अतिथियों का माल्यार्पण कर अंग वस्त्र भेट करस्वागत किया गया।उक्त कार्यक्रम में शिक्षा विभाग द्वारा बच्चों के पठन पाठन सम्बन्धित अभिभवकों को विस्तृत जानकारी दी गयी। विशिष्ठ अतिथि दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री जीत सिंह खरवार ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा बच्चों के खाते मे 1200 रूपये सीधा जा रहा हैं। इस पैसे से अभिभावक स्कूल ड्रेस, बैग जूता खरीद रहे हैं।

ग्राम प्रधान कि देख रेख मे विकास खण्ड के सभी स्कूलों मे मिड दे मिल समय से मिल रहा हैं। ब्लाक प्रमुख मान सिंह गोड़ ने कहा कि समाज कल्याण विभाग कि ओर से 60: अंक प्राप्त करने पर साईकिल उपलब्ध कराई जा रही हैं अनु. जाती जन.जाती के बच्चों को साईकिल मिलने से अब उन्हें पैदल नहीं स्कूल जाना पढ रहा हैं।

## वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच एनसीएल का राष्ट्र की ऊर्जा संरक्षा में अहम योगदान

**सोनभद्र ।** वर्तमान समय में वैश्विक स्तर पर उत्पन्न युद्धजनित परिस्थितियों के कारण ऊर्जा संकट गहराता जा रहा है। ऐसे कठिन ऊर्जा परिदृश्य में विश्व की सबसे बड़ी कोयला उत्पादक कोल इंडिया की सिंगरौली स्थित प्रमुख अनुषंगी कंपनी, नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड ने कोयला मंत्रालय, भारत सरकार के मार्गदर्शन में राष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

एनसीएल ने रविवार को दूरस्थ ताप विद्युत इकाइयों को रिकॉर्ड 57 रेलवे रैक कोयला प्रेषित कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इस दौरान एनसीएल द्वारा 4.14 लाख टन कोयला का प्रेषण किया गया, जिसमें रिकॉर्ड 2.2 लाख टन भारतीय रेल के माध्यम से भेजा गया तथा बाकी मात्रा एमजीआर सिस्टम, सड़क मार्ग एवं पाइप बेल्ट द्वारा प्रेषित की गई। जहां दूरस्थ ताप विद्युत इकाइयों के लिए रेलवे के माध्यम से रिकॉर्ड स्तर पर रैक्स भेजे गए, वहीं पिट हेड पावर प्लांट्स को एमजीआर के जरिए पर्याप्त मात्रा में कोयला आपूर्ति सुनिश्चित की गई।वर्तमान परिदृश्य में घरेलू उत्पादित कोयला एक भरोसेमंद ऊर्जा स्त्रोत की भूमिका निभा रहा है। एनसीएल का पिट हेड स्टॉक 8.3 मिलियन टन है, वहीं माइंस के अंदर कोयला एक्सपोजर 10.5 मिलियन टन है। सारांश में ताप विद्युत इकाइयों एवं अन्य उद्योगों की मांग को पूर्ण करने हेतु कंपनी पूरी तरह से तैयार है। कोयला है तो भरोसा है के ध्येय वाक्य के साथ एनसीएल तथा समूचा कोल इंडिया परिवार इस चुनौतीपूर्ण समय में राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित है।राज्यवार कोयला आपूर्ति की बात करें तो रविवार को एनसीएल ने मध्य प्रदेश को 13 रैक्स, उत्तर प्रदेश को 25 रैक्स, राजस्थान को 11 रैक्स, पंजाब को 4 रैक्स, हरियाणा को 2 रैक्स, गुजरात को 1 रैक तथा बिहार को 1 रैक कोयला भेजा।

# आईपीएल के बीच एमएस धोनी ने हासिल किया खास मुकाम, झारखंड और बिहार में इस मामले में सबको पीछे छोड़ा

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी एक बार फिर चर्चा में हैं, लेकिन इस बार वजह क्रिकेट नहीं बल्कि टैक्स भुगतान है। आयकर विभाग के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में झारखंड और बिहार क्षेत्र में धोनी सबसे बड़े व्यक्तिगत टैक्सदाता रहे। यह जानकारी आयकर विभाग के प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त (बिहार-झारखंड) डॉ. डी. सुधाकर राव ने गुरुवार को मीडिया से बातचीत के दौरान दी।डॉ. राव ने बताया कि बिहार और झारखंड से कुल टैक्स संग्रह लगभग 20,000 करोड़ रुपये रहा। इसमें सबसे बड़ा योगदान झारखंड का रहा। उन्होंने कहा, 'वित्त वर्ष 2025-26 में बिहार और झारखंड से कुल लगभग 20,000 करोड़ रुपये टैक्स संग्रह हुआ, जिसमें से 12,000 करोड़ रुपये सिर्फ झारखंड से प्राप्त हुए।' उन्होंने यह भी बताया कि कुल टैक्स संग्रह का करीब 70 प्रतिशत हिस्सा टीडीएस (टैक्स डिडक्टेड एट सोर्स) के जरिए आया।जब सबसे बड़े व्यक्तिगत टैक्सदाता का नाम पूछा गया तो डॉ. राव ने साफ तौर पर धोनी का नाम लिया। उन्होंने कहा, 'पिछले वित्त वर्ष में बिहार और झारखंड को मिलाकर एमएस धोनी सबसे बड़े व्यक्तिगत टैक्सदाता रहे।' हालांकि उन्होंने धोनी द्वारा चुकाई गई टैक्स राशि का खुलासा नहीं किया। कॉरपोरेट टैक्सदाताओं में ये कंपनियां आगे कॉरपोरेट श्रेणी में सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड भारत कोकिंग कोल लिमिटेड और सीएमपीडीआई सबसे बड़े टैक्सदाताओं में शामिल रहे। अधिकारियों के मुताबिक, पिछले साल भारी बारिश के कारण खनन गतिविधियों पर असर पड़ा, जिससे टैक्स संग्रह भी प्रभावित हुआ। डॉ. राव ने कहा, 'पिछले वित्त वर्ष में भारी बारिश के कारण माइनिंग गतिविधियां प्रभावित हुईं। हमें उम्मीद है कि मौजूदा वित्त वर्ष में 20,000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करेंगे।' नए आयकर कानून पर भी बैठक डॉ. राव ने आयकर अधिकारियों के साथ नए आयकर अधिनियम 2025 पर बैठक भी की। यह नया कानून 1 अप्रैल से लागू होगा और 1961 के पुराने आयकर कानून की जगह लेगा। उन्होंने कहा, 'नया कानून सरल भाषा, सुव्यवस्थित ढांचे और आसान प्रस्तुति के जरिए अनुपालन को और सरल बनाएगा। धोनी की लोकप्रियता बरकरार धोनी लंबे समय से झारखंड की पहचान माने जाते हैं। क्रिकेट से संन्यास के बाद भी उनकी ब्रांड वैल्यू और लोकप्रियता कायम है। अब सबसे बड़े टैक्सदाता बनकर उन्होंने मैदान के बाहर भी मिसाल पेश की है।आयकर विभाग के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में झारखंड और बिहार क्षेत्र में धोनी सबसे बड़े व्यक्तिगत टैक्सदाता रहे। यह जानकारी आयकर विभाग के प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त (बिहार-झारखंड) डॉ. डी. सुधाकर राव ने गुरुवार को मीडिया से बातचीत के दौरान दी।डॉ. राव ने बताया कि बिहार और झारखंड से कुल टैक्स संग्रह लगभग 20,000 करोड़ रुपये रहा। इसमें सबसे बड़ा योगदान झारखंड का रहा। उन्होंने कहा, 'वित्त वर्ष 2025-26 में बिहार और झारखंड से कुल लगभग 20,000 करोड़ रुपये टैक्स संग्रह हुआ, जिसमें से 12,000 करोड़ रुपये सिर्फ झारखंड से प्राप्त हुए।' उन्होंने यह भी बताया कि कुल टैक्स संग्रह का करीब 70 प्रतिशत हिस्सा टीडीएस (टैक्स डिडक्टेड एट सोर्स) के जरिए आया।जब सबसे बड़े व्यक्तिगत टैक्सदाता का नाम पूछा गया तो डॉ. राव ने साफ तौर पर धोनी का नाम लिया। उन्होंने कहा, 'पिछले वित्त वर्ष में बिहार और झारखंड को मिलाकर एमएस धोनी सबसे बड़े व्यक्तिगत टैक्सदाता रहे।' हालांकि उन्होंने धोनी द्वारा चुकाई गई टैक्स राशि का खुलासा नहीं किया। कॉरपोरेट टैक्सदाताओं में ये कंपनियां आगे कॉरपोरेट श्रेणी में सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड भारत कोकिंग कोल लिमिटेड और सीएमपीडीआई सबसे बड़े टैक्सदाताओं में शामिल रहे।

## घर में पांच मैचों में हार के बाद लखनऊ की पहली जीत, मिचेल मार्श के बाद प्रिंस और शाहबाज चमके

लखनऊ सुपर जाएंट्स ने गुरुवार को खेले गए आईपीएल मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को नौ रन से हरा दिया। इकाना स्टेडियम में बारिश से प्रभावित इस मुकाबले को 19-19 ओवर का किया गया। डकवर्थ-लुईस (डीएलएस) नियम के तहत आरसीबी को 213 रन का संशोधित लक्ष्य मिला, लेकिन टीम 19 ओवर में छह विकेट पर 203 रन ही बना सकी। एलएसजी की यह मौजूदा सीजन में तीसरी जीत रही, जबकि आरसीबी को चौथी हार झेलनी पड़ी।लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी की शुरुआत बेहद खराब रही। जैकब बेथेल केवल चार रन बनाकर मोहम्मद शमी का शिकार बने। इसके बाद प्रिंस यादव ने शानदार गेंद पर विराट कोहली को खाता खोले बिना पवेलियन भेज दिया। कोहली 46 पारियों के बाद आईपीएल में शून्य पर आउट हुए। दो विकेट महज नौ रन पर गिरने के बाद कप्तान रजत पाटीदार और देवदत्त पडिक्कल ने टीम को संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने तीसरे विकेट के लिए 53 गेंदों में 95 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। पडिक्कल ने 25 गेंदों में 34 रन बनाए, जबकि पाटीदार ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 31 गेंदों पर 61 रन की शानदार पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में तीन चौके और छह छक्के लगाए। हालांकि, इसके बाद आरसीबी लगातार अंतराल पर विकेट गंवाती रही। जितेश शर्मा एक बार फिर प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे और सिर्फ एक रन बना सके। निचले क्रम में टिम डेविड ने तेजतर्रार बल्लेबाजी करते हुए 17 गेंदों में 40 रन बनाए, जिसमें चार चौके और तीन छक्के शामिल रहे।

## 'पैसे नहीं, चाहता हूं कि सभी खेलों की सफलता का जश्न मने', बोले बैडमिंटन स्टार सात्विक

स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी ने शुक्रवार को कहा कि थॉमस कप में भारतीय टीम द्वारा कांस्य पदक जीतने के बाद जनता की फीकी प्रतिक्रिया पर की गई उनकी हालिया टिप्पणी का उद्देश्य 'पैसे या भव्य स्वागत' की मांग करना नहीं था, बल्कि लोगों से सभी खेलों में 'हर छोटी-बड़ी जीत का जश्न मनाने' की अपील करना था। विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज एशियाई खेलों के चैंपियन सात्विक और चिराग शेट्टी की जोड़ी हाल ही में डेनमार्क में आयोजित थॉमस कप में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थी। सात्विक ने हालांकि स्वदेश लौटने पर सोशल मीडिया पर उनकी उपलब्धि को अपेक्षित पहचान न मिलने को लेकर अपनी भावनाएं व्यक्त की थीं।डेनमार्क से वापस आने के बाद सात्विक ने लिखा था, 'अब घर वापस आ गया हूं। हमेशा की तरह, पिछले दो सप्ताहों में क्या हुआ, यह किसी को पता नहीं है और ऐसा लगता है कि किसी को वास्तव में इसकी परवाह भी नहीं है।' इस 25 साल के खिलाड़ी ने शुक्रवार को अपने विचारों को और स्पष्ट करने के लिए एक और सोशल मीडिया पोस्ट साझा किया।उन्होंने लिखा, 'पिछले कुछ दिनों में थॉमस कप कांस्य पदक को लेकर मेरी टिप्पणियों पर काफी ध्यान दिया गया। मैं लोगों के समर्थन और प्रोत्साहन के लिए आभारी हूं, लेकिन मैं अपने इरादे को स्पष्ट करना चाहता हूं क्योंकि कई लोग मूल मुद्दे से भटकते नजर आ रहे हैं।' उन्होंने लिखा, 'मेरे शब्द व्यक्तिगत प्रसिद्धि पाने या किसी और की उपलब्धियों का श्रेय कम करने की भावना से नहीं आए थे। मैं हर उस खिलाड़ी का बेहद सम्मान करता हूं जो किसी भी खेल में भारत का नाम रोशन करता है।' 'जीत का उत्साहपूर्वक से जश्न मनाया जाए' सात्विक ने कहा, 'मेरा संदेश केवल इतना था कि हमें ऐसी संस्कृति विकसित करनी चाहिए, जहां हर छोटी या बड़ी जीत का उत्साहपूर्वक से जश्न मनाया जाए।' उन्होंने कहा कि थॉमस कप जैसे टूर्नामेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन खिलाड़ियों के वर्षों के त्याग और कठिन मेहनत का परिणाम होता है और जब ऐसी उपलब्धियों पर चुप्पी छा जाती है तो यह बेहद निराशाजनक लगता है। उन्होंने लिखा, 'चाहे वह विश्व कप का पदक हो या थॉमस कप जैसे वैश्विक टूर्नामेंट में पोडियम फिनिश, ये पल वर्षों की मेहनत और बलिदान का प्रतिनिधित्व करते हैं।' 'खिलाड़ियों के लिए भी निराशाजनक होता है' इस खिलाड़ी ने कहा, 'जब ऐसी उपलब्धियों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलती, तो यह सिर्फ हमारे लिए ही नहीं बल्कि भविष्य के खिलाड़ियों के लिए भी निराशाजनक होता है, जो हमें देखकर प्रेरणा लेते हैं।' सात्विक ने कहा, 'हमें न पैसे चाहिए, न भव्य परेड; हम सिर्फ इतना चाहते हैं कि हमारा देश हमें देखे और हमारे प्रयासों को महसूस करे। चलिए हम सभी खेलों को समान उत्साह और जुनून के साथ समर्थन दें।' उनकी भावनाओं का समर्थन उनके जोड़ीदार चिराग ने भी किया। चिराग ने देश के खेल प्रेमियों से अपील की कि वे हर उस खिलाड़ी का सम्मान करें जो भारत की जर्सी पहनकर देश का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने कहा, 'अगली बार यह चर्चा न हो कि किसने ज्यादा या कम जीता, बल्कि हर उस खिलाड़ी का जश्न मनाया जाए जो भारत की जर्सी पहनता है।'

## दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल के प्रदर्शन में क्यों आई गिरावट? इरफान पठान ने बताया कारण

आईपीएल 2026 में शुक्रवार को दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच मुकाबला होने वाला है। सीजन की शुरुआत लगातार दो जीत के साथ करने वाली दिल्ली की मौजूदा स्थिति चिंताजनक है। प्लेऑफ की उम्मीद बनाए रखने के लिए दिल्ली को यह मुकाबला हर हाल में जीतना होगा। डीसी के खराब प्रदर्शन की एक वजह कप्तान अक्षर पटेल की खराब फॉर्म भी रही है। पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने अक्षर के खराब प्रदर्शन की वजह कप्तानी का दबाव बताया है। पठान ने कहा, अक्षर अभी कप्तानी, गेंदबाजी और बल्लेबाजी को एक साथ संतुलित करने की कोशिश में दबाव में लग रहे हैं। प्रदर्शन अच्छा न होने की स्थिति में आप हमेशा कप्तान की ओर देखते हैं। अक्षर पटेल जो इस सीजन में टीम की कप्तानी कर रहे हैं, वह भी ऐसी ही स्थिति में हैं। एक बात जो मैंने महसूस की है, वह यह है कि कभी-कभी टीम की कप्तानी करते समय, वह गेंद से खुद को रोक लेते हैं। वह ऐसे गेंदबाज हैं जो पावरप्ले में नियमित तौर पर गेंदबाजी कर सकते हैं। मुझे चिन्नास्वामी स्टेडियम में आरसीबी वाला मैच याद है, जहां उन्होंने थोड़ी देर से गेंदबाजी की थी। वह पावरप्ले के दौरान पहले आ सकते थे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। पठान ने कहा, कप्तान के तौर पर कई जिम्मेदारियां संभालने की कोशिश करते हुए अक्षर की बल्लेबाजी में गिरावट आई है और वह अपनी गेंदबाजी पर भी ध्यान नहीं दे पा रहे। कभी-कभी वह अपनी गेंदबाजी को आगे नहीं बढ़ा पाते क्योंकि वह दूसरे गेंदबाजों से सर्वश्रेष्ठ निकलवाने के बारे में सोचते रहते हैं। मुझे नहीं लगता कि उन्हें अपनी गेंदबाजी को नजरअंदाज करना चाहिए क्योंकि वह एक शानदार गेंदबाज हैं। अक्षर पटेल ने मौजूदा सीजन में 10 मैचों में 8.25 के इकॉनोमी रेट से नौ विकेट लिए हैं। बल्लेबाजी की बात करें तो प्रदर्शन और भी खराब है। वह सात पारियों में सिर्फ 33 रन बना सके हैं। दिल्ली को अगर बाकी चार मैच जीतकर प्लेऑफ की उम्मीद बनाए रखनी है, तो अक्षर पटेल को अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों से अहम योगदान देना होगा। टीम 10 मैचों में चार मैच जीतकर अंक तालिका में सातवें स्थान पर है।ठान ने कहा, अक्षर अभी कप्तानी, गेंदबाजी और बल्लेबाजी को एक साथ संतुलित करने की कोशिश में दबाव में लग रहे हैं। प्रदर्शन अच्छा न होने की स्थिति में आप हमेशा कप्तान की ओर देखते हैं। अक्षर पटेल जो इस सीजन में टीम की कप्तानी कर रहे हैं, वह भी ऐसी ही स्थिति में हैं। एक बात जो मैंने महसूस की है, वह यह है कि कभी-कभी टीम की कप्तानी करते समय, वह गेंद से खुद को रोक लेते हैं। वह ऐसे गेंदबाज हैं जो पावरप्ले में नियमित तौर पर गेंदबाजी कर सकते हैं। मुझे चिन्नास्वामी स्टेडियम में आरसीबी वाला मैच याद है, जहां उन्होंने थोड़ी देर से गेंदबाजी की थी। वह पावरप्ले के दौरान पहले आ सकते थे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। पठान ने कहा, कप्तान के तौर पर कई जिम्मेदारियां संभालने की कोशिश करते हुए अक्षर की बल्लेबाजी में गिरावट आई है ।

## 49 गेंद, तूफानी शतक और इतिहास, मिचेल मार्श ने इकाना में लूटी महफिल; आरसीबी गेंदबाजों पर जमकर बरसे

सलामी बल्लेबाज मिचेल मार्श ने गुरुवार को आईपीएल 2026 में ऐसा धमाका किया, जिसने लखनऊ सुपर जाएंट्स के रिकॉर्ड बुक्स में तब्दीली कर दीं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में मार्श ने सिर्फ 49 गेंदों में शतक ठोककर लखनऊ के लिए आईपीएल इतिहास का सबसे तेज सैकड़े का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।इस दौरान मिचेल मार्श ने कप्तान ऋषभ पंत का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने पिछले सीजन इसी मैदान पर आरसीबी के खिलाफ 54 गेंदों में शतक लगाया था। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने 56 गेंदों पर 111 रन की विस्फोटक पारी खेली। उनकी इस पारी में चौकों और छक्कों की बारिश देखने को मिली।मार्श ने पारी की शुरुआत बेहद आक्रामक अंदाज में की। उन्होंने जोश हेजलवुड की गेंद पर सीधा छक्का लगाकर अपने इरादे साफ कर दिए। इसके बाद भुवनेश्वर कुमार के खिलाफ कवर के ऊपर से शानदार सिक्स जड़ा। स्पिनर्स के आने के बाद भी मार्श नहीं रुके। उन्होंने क्रुणाल पांड्या और सुयश शर्मा पर लगातार बड़े शॉट लगाए।मार्श ने महज 20 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया, जो उनके आईपीएल करियर का सबसे तेज पचासा रहा। इसके बाद उन्होंने रसिख रसाल और हेजलवुड के खिलाफ भी आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखी। बारिश के कारण मैच दो बार रुका, लेकिन मार्श की लय नहीं टूटी। उन्होंने 111 रन की यादगार पारी खेलकर आरसीबी गेंदबाजों की जमकर खबर ली।ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने 56 गेंदों पर 111 रन की विस्फोटक पारी खेली। उनकी इस पारी में चौकों और छक्कों की बारिश देखने को मिली।मार्श ने पारी की शुरुआत बेहद आक्रामक अंदाज में की। उन्होंने जोश हेजलवुड की गेंद पर सीधा छक्का लगाकर अपने इरादे साफ कर दिए। इसके बाद भुवनेश्वर कुमार के खिलाफ कवर के ऊपर से शानदार सिक्स जड़ा। स्पिनर्स के आने के बाद भी मार्श नहीं रुके। उन्होंने क्रुणाल पांड्या और सुयश शर्मा पर लगातार बड़े शॉट लगाए।मार्श ने महज 20 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया, जो उनके आईपीएल करियर का सबसे तेज पचासा रहा।

## पहलवान अमन सेहरावत का रूस दौरा रुका: चीफ कोच ने लगाया वीटो, बोले- अकेले तैयारियां करने से जाएगा गलत संदेश

कुश्ती में स्टार कल्चर खत्म करने की तैयारी कर ली गई है। पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने वाले पहलवान अमन सेहरावत को रूस के मखाचकला में अकेले तैयारियां करने से रोक दिया गया है। अमन के इस रूस दौरे पर वीटो खुद पुरुष फ्रीस्टाइल टीम के चीफ कोच विनोद कुमार ने लगाया है। टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) के तहत अमन 20 मई तक रूस के इस नामी सेंटर में तैयारियों के लिए जाना चाहते थे। उन्होंने इसके लिए टॉप्स में प्रस्ताव भी दिया था और भारतीय कुश्ती महासंघ से भी अनुमति मांगी थी। जब कोच विनोद को इसका पता लगा तो उन्होंने इस पर आपत्ति जता दी। विनोद ने महासंघ को स्पष्ट किया कि अमन के अकेले रूस में अभ्यास करने से लखनऊ साई सेंटर में चल रहे राष्ट्रीय कैंप का अनुशासन टूटेगा और अन्य पहलवानों के बीच इसका गलत संदेश जाएगा।इस वक्त लखनऊ में एशियाई खेलों की तैयारी के लिए पुरुष फ्रीस्टाइल और ग्रीको रोमन पहलवानों का राष्ट्रीय कैंप चल रहा है जिसमें अमन भी शामिल हैं। अमन का भार वर्ग 57 किलो है, लेकिन वह इस वक्त 61 किलो में खेल रहे हैं। कोच विनोद की योजना जून में होने वाले एशियाड के ट्रायल में अमन को 57 किलो में उतारने की है।

## वरुण चक्रवर्ती को मिला गेंदबाजी कोच ड्वेन ब्रावो का साथ, बोले- उनकी काबिलियत पर किसी को कोई शक नहीं

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के गेंदबाजी कोच और मेंटोर ड्वेन ब्रावो का मानना है कि मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती पर फ्रेंचाइजी के अटूट भरोसे ने मौजूदा आईपीएल सत्र के दौरान उनकी फॉर्म में वापसी में अहम भूमिका निभाई है। चक्रवर्ती केकेआर के लिए इस सत्र में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में से एक रहे हैं और उन्होंने अभी तक 10 विकेट लिए हैं।ब्रावो ने कहा कि टूर्नामेंट की शुरुआत में खराब दौर से गुजरने के बावजूद टीम को इस स्पिनर की काबिलियत पर कभी कोई शक नहीं हुआ। उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आईपीएल मैच की पूर्व संध्या पर कहा, मुझे लगता है कि खेल में सब कुछ नतीजों पर आधारित होता है और कभी-कभी लोग बहुत भावुक हो जाते हैं। इसलिए वरुण जैसा विश्व स्तरीय स्पिनर अभी-अभी विश्व कप खेलकर आया था जो थकाने वाला टूर्नामेंट था। चक्रवर्ती को आराम की जरूरत थी, लेकिन उनकी

काबिलियत पर कभी कोई सवाल नहीं उठा। उन्होंने कहा, इसलिए सही समय पर आराम करना हमेशा जरूरी होता है, लेकिन किसी ने भी उनकी काबिलियत पर कभी सवाल नहीं उठाया क्योंकि जब आप इतने अच्छे खिलाड़ी होते हैं तो फॉर्म में वापसी करना बस कुछ समय की बात होती है। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के गेंदबाजी कोच और मेंटोर ड्वेन ब्रावो का मानना है कि मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती पर फ्रेंचाइजी के अटूट भरोसे ने मौजूदा आईपीएल सत्र के दौरान उनकी फॉर्म में वापसी में अहम भूमिका निभाई है। चक्रवर्ती केकेआर के लिए इस सत्र में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में से एक रहे हैं और उन्होंने अभी तक 10 विकेट लिए हैं।ब्रावो ने कहा कि टूर्नामेंट की शुरुआत में खराब दौर से गुजरने के बावजूद टीम को इस स्पिनर की काबिलियत पर कभी कोई शक नहीं हुआ। उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आईपीएल मैच की पूर्व संध्या पर कहा, मुझे लगता है कि खेल में सब कुछ नतीजों पर आधारित होता है और कभी-कभी लोग बहुत भावुक हो जाते हैं। इसलिए वरुण जैसा विश्व स्तरीय स्पिनर अभी-अभी विश्व कप खेलकर आया था जो थकाने वाला टूर्नामेंट था। चक्रवर्ती को आराम की जरूरत थी, लेकिन उनकी काबिलियत पर कभी कोई सवाल नहीं उठा। उन्होंने कहा, इसलिए सही समय पर आराम करना हमेशा जरूरी होता है, लेकिन किसी ने भी उनकी काबिलियत पर कभी सवाल नहीं उठाया क्योंकि जब आप इतने अच्छे खिलाड़ी होते हैं तो फॉर्म में वापसी करना बस कुछ समय की बात होती है।

# करीना कपूर ने किया अपनी नई फिल्म दायरा का ऐलान, पृथ्वीराज सुकुमारन होंगे जोड़ीदार

अभिनेत्री करीना कपूर को पिछली बार फिल्म सिंघम अगेन में देखा गया था। हमेशा की तरह फिल्म में उनके काम को काफी सराहा गया था, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर यह कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी।प्रशंसक कुछ समय से करीना की नई फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो जल्द खत्म होने वाला है। अभिनेत्री करीना कपूर को पिछली बार फिल्म सिंघम अगेन में देखा गया था। हमेशा की तरह फिल्म में उनके काम को काफी सराहा गया था, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर यह कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी।प्रशंसक कुछ समय से करीना की नई फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो जल्द खत्म होने वाला है। अभिनेत्री करीना कपूर को पिछली बार फिल्म सिंघम अगेन में देखा गया था। हमेशा की तरह फिल्म में उनके काम को काफी सराहा गया था, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर यह कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी।प्रशंसक कुछ समय से करीना की नई फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो जल्द खत्म होने वाला है। दरअसल, करीना ने अपनी नई फिल्म का ऐलान कर दिया है, जिसके नाम दायरा रखा गया है।दायरा में करीना की जोड़ी अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ बनी है और यह पहला मौका होगा, जब ये दोनों कलाकार पर्दे पर साथ दिखाई देंगे।फिल्म के निर्देशन की कमान मेघना गुलजार ने संभाली है, जिन्हें राजी और सैम बहादुर के लिए जाना जाता है। करीना ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें साझा की हैं, जिसमें वह सुकुमारन और मेघना के साथ दिख रही हैं। करीना ने इस फिल्म को अपना ड्रीम प्रोजक्ट बताया है।दरअसल, करीना ने अपनी नई फिल्म का ऐलान कर दिया है, जिसके नाम दायरा रखा गया है।दायरा में करीना की जोड़ी अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ बनी है और यह पहला मौका होगा, जब ये दोनों कलाकार पर्दे पर साथ दिखाई देंगे।फिल्म के निर्देशन की कमान मेघना गुलजार ने संभाली है, जिन्हें राजी और सैम बहादुर के लिए जाना जाता है। करीना ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें साझा की हैं, जिसमें वह सुकुमारन और मेघना के साथ दिख रही हैं।करीना ने इस फिल्म को अपना ड्रीम प्रोजक्ट बताया है।दरअसल, करीना ने अपनी नई फिल्म का ऐलान कर दिया है, जिसके नाम दायरा रखा गया है।दायरा में करीना की जोड़ी अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ बनी है और यह पहला मौका होगा, जब ये दोनों कलाकार पर्दे पर साथ दिखाई देंगे।फिल्म के निर्देशन की कमान मेघना गुलजार ने संभाली है, जिन्हें राजी और सैम बहादुर के लिए जाना जाता है।

करीना ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें साझा की हैं, जिसमें वह सुकुमारन और मेघना के साथ दिख रही हैं। करीना ने इस फिल्म को अपना ड्रीम प्रोजक्ट बताया है।



## मेरे पास कोई स्क्रिप्ट नहीं थी, कपड़े भी मेरे अपने थे, लेकिन वो भी क्या दिन थे..

मेरेशबाना आजमी को देखने से ज्यादा उनको सुनने में आनंद आता है। वह जब अभिनय नहीं कर रही होती हैं तो कलाकारी बतिया रही होती हैं। उनकी बातों में एक अलग तरह का रस है। अभिनेता उनकी बातों में नवरस ढूंढते हैं और श्रोताओं को उस रस की तलाश रहती है जिसका स्वाद लेने में अक्सर वो सिनेमाघर में चूक जाते हैं। उनके चेहरे पर एक अलग तरह की दृढ़ता दिखती है। परदे की मासूम शबाना जब समाजसेवी शबाना बनती है, तो अपने निर्देशकों को डरा देती है। और, खुद शबाना आजमी ये मानती हैं कि सामाजिक सरोकारों की पैरवी के दौरान उनकी इस सार्वजनिक सख्ती ने उनसे कई किरदार छीन भी लिए।मुंबई में चल रहे मामी मुंबई फिल्म फिल्म फेस्टिवल में इस साल शबाना आजमी को उनकी अदाकारी की आधी सदी पूरी होने पर विशेष सम्मान दिया गया है। आम तौर ऐसे मौकों पर मुंबई फिल्म जगत की शख्सियतों से अनुपमा चोपड़ा या फिर कोमल नाहटा जैसे सेलेब्रिटी पत्रकार ही बातें करते हैं। अनुपमा अपने पति विधु विनोद चोपड़ा के साथ बीती शाम किसी और कार्यक्रम में व्यस्त रहीं तो शबाना आजमी की मास्टरक्लास में ये काम किया अभिनेत्री विद्या बालन ने। हो सकता है कि इससे पहले से तैयार सवालों के पहले से तैयार जवाब देने में मदद मिलती हो। सब कुछ तात्कालिक है, ऐसा अभिनय करने में शबानी कहीं से कम हैं और न ही विद्या बालन। खैर, सवाल-जवाब आशुकविता बनें न बनें, उनमें अगर लहर है तो सुनने वालों पर उनका असर होता ही है। शबाना के उस संस्मरण को लोगों ने अपलक और सांसें रोके रखने से उपक्रम में सुना जो उन्होंने फिल्म 'अर्थ' में जगजीत सिंह के गाने गाने 'तुम इतना क्यूं मुस्कुरा रहे हो..' की शूटिंग को लेकर सुनाया।

झगाने की शूटिंग कोई तीन दिन तक चली और इस दौरान जो कुछ हुआ, वह शबाना के लिए कभी न भूलने

## दोपहर में झपकी लेने से आप दिन भर रहेंगे ऊर्जावान, जानिए कैसे



दोपहर की झपकी हर किसी के लिए जरूरी है, जिससे आप अपनी ऊर्जा को बढ़ा सकते हैं। दोपहर की नींद न केवल मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है, बल्कि इसके जरिए काम करने की क्षमता को भी बढ़ाया जा सकता है। इस लेख में हम आपको कुछ असरदार तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपनी दोपहर की झपकी को अधिकतम लाभकारी बना सकते हैं और इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना सकते हैं।

**सही समय चुनें**

दोपहर की झपकी लेने के लिए सही समय चुनना बहुत जरूरी है। आमतौर पर दोपहर एक से 3 बजे के बीच में झपकी लेना सबसे अच्छा माना जाता है। इस समय शरीर की ऊर्जा का स्तर थोड़ा कम होता है और आप आसानी से सो सकते हैं। इससे नींद की गुणवत्ता बेहतर होती है और आप ताजगी महसूस होती है। सही समय पर झपकी लेने से काम करने की क्षमता भी बढ़ती है और आप पूरे दिन ऊर्जावान रहते हैं।

**आरामदायक स्थान बनाएं**

झपकी लेने के लिए एक आरामदायक स्थान चुनें, जहां शांति हो और रोशनी कम हो। अगर आप ऑफिस में हैं तो किसी खाली कमरे का उपयोग कर सकते हैं या डेस्क पर सिर झुकाकर आराम कर सकते हैं। घर पर बिस्तर या सोफे का उपयोग करें, जहां आपको पूरी तरह से आराम मिले। इसके अलावा, अगर संभव हो तो आंखों पर पट्टी बांधें, ताकि रोशनी न आए और आप बिना किसी बाधा के सो सकें।

**समय का ध्यान रखें**

झपकी लेते वक्त समय का ध्यान रखना न भूलें, ताकि आप समय पर उठ सकें। यह बहुत जरूरी है, क्योंकि अगर आप ज्यादा देर तक सो जाएंगे तो आपकी रात की नींद प्रभावित हो सकती है और आप अगले दिन थका हुआ महसूस करेंगे। समय का ध्यान रखने से आपको यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि आपकी झपकी 20-30 मिनट से ज्यादा न हो, जिससे आपकी ऊर्जा बढ़ेगी और आप तरोताजा महसूस करेंगे।

**गहरी सांस लें**

झपकी लेते समय गहरी सांस लेना बहुत फायदेमंद होता है। इससे मन शांत होता है और नींद जल्दी आती है। गहरी सांस लेने से शरीर में ताजी हवा का स्तर बढ़ता है, जिससे आपका शरीर आराम महसूस करता है। इससे आपकी नींद की गुणवत्ता भी बेहतर होती है और आप ताजगी महसूस करते हैं। गहरी सांस लेने से मानसिक तनाव भी कम होता है और आप अधिक ऊर्जा महसूस करते हैं।

**नियमितता बनाए रखें**

झपकी लेने की आदत को नियमित बनाए रखना जरूरी है। हर दिन एक ही समय पर झपकी लेने से आपका शरीर उसे पहचानने लगता है और आसानी से सो जाता है। नियमितता से आपकी नींद की गुणवत्ता भी बेहतर होती जाती है और आप अधिक तरोताजा महसूस करते हैं। इस प्रकार, दोपहर की झपकी आपके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद साबित हो सकती है। इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा जरूर बनाएं।

## बालों को कितनी बार धोना होता है सही? जानिए इससे जुड़े मिथकों की सच्चाई

बालों को धोने की सही संख्या पर कई भ्रम और गलतफहमियां प्रचलित हैं। कुछ लोग मानते हैं कि रोजाना बाल धोना जरूरी है, जबकि कुछ लोग इसे नुकसानदायक मानते हैं। इस लेख में हम इन भ्रमों की सच्चाई जानेंगे और समझेंगे कि वास्तव में कितनी बार बाल धोने चाहिए, ताकि वे स्वस्थ और सुंदर बने रहें। सही तरीके से बालों की देखभाल करने से आप अपने बालों को मजबूत और चमकदार बना सकते हैं। भ्रम: रोजाना बाल धोना है जरूरी

कई लोग मानते हैं कि रोजाना बाल धोना जरूरी होता है, ताकि वे साफ-सुथरे रहें और उनमें गंदगी न लगे। हालांकि, यह पूरी तरह सही नहीं है।

## सान्या मल्होत्रा ने शुरू की सुंदर पूनम की शूटिंग, वास्तविक घटना से प्रेरित है फिल्म!

बॉलीवुड में इन दिनों ऐसी फिल्मों का ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है, जिनका कंटेंट दमदार हो। दर्शक अब सिर्फ मनोरंजन ही नहीं, बल्कि ऐसी कहानियां भी देखना चाहते हैं जो उन्हें भावनात्मक रूप से जोड़ सकें। इसी कड़ी में सान्या मल्होत्रा की आने वाली रोमांटिक थ्रिलर फिल्म सुंदर पूनम की चर्चा जोरों पर है। एक्ट्रेस ने फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है, जिसे लेकर फैंस में काफी उत्साह देखा जा रहा है। सान्या मल्होत्रा ने इस खास मौके की झलक अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की है। उन्होंने फिल्म की शुरुआत करने से पहले मुहूर्त पूजा की और इसकी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में फिल्म का क्लैपबोर्ड नजर आ रहा है। इसके अलावा, वह को-स्टार्स के साथ कुछ कैंडिड मोमेंट्स वाले फोटो क्लिक करवाती दिख रही हैं। वहीं एक वीडियो में सान्या आरती करती हुई नजर आ रही है। इस पोस्ट के साथ उन्होंने एक छोटा सा कैप्शन लिखा- सुंदर पूनम फिल्म की शूटिंग आधिकारिक तौर पर शुरू हो चुकी है।



## चित्रालय क्रिएशन्स की ओर से तीसरी प्रोडक्शन फिल्म की घोषणा, हेबाह पटेल इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगी

अर्जुन आर्ट्स के बैनर तले, चित्रालय क्रिएशन्स बैनर के अंतर्गत प्रोडक्शन नंबर 3 का निर्माण हो रहा है, जिसकी निर्माता श्रीलक्ष्मी एम हैं। फिल्म का निर्देशन सलीम मलिक करेंगे, जिन्हें मैक के नाम से जाना जाता है, जिन्होंने इससे पहले दर्जा का निर्देशन किया था। अभिनेत्री हेबाह पटेल इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगी। निर्माताओं ने हाल ही में इस परियोजना की आधिकारिक घोषणा की है।

कहा जा रहा है कि यह फिल्म इमोशन-कॉमेडी एंटरटेनमेंट शैली में एक अलग अवधारणा पर आधारित होगी और इसका निर्माण बड़े पैमाने पर किया जाएगा। टीम ने कलाकारों और तकनीकी दल के बारे में भी जानकारी दी है

दर्जा से दर्शकों को प्रभावित करने वाले निर्देशक सलीम मलिक इस प्रोजेक्ट की कहानी, पटकथा और निर्देशन संभालेंगे। अनूठे विषयों को प्रस्तुत करने और दर्शकों को एक नया सिनेमाई अनुभव देने के लिए जाने जाने वाले सलीम मलिक अब एक और नई अवधारणा के साथ आ रहे हैं। फिल्म के संवाद और गीत भाष्यश्री ने लिखे हैं, जबकि केवीआर ने अतिरिक्त पटकथा लिखी है। एम. समीर ने संगीत दिया है और विष्णु पणिक्कर छायांकन कर रहे हैं। अभिनेत्री हेबाह पटेल नायिका के रूप में नजर आएंगी।



## जिगरा से पहले धर्मा प्रोडक्शंस की इन फिल्मों में दिख चुकी हैं आलिया भट्ट



आलिया भट्ट की फिल्म जिगरा हाल ही में रिलीज हुई है। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत नहीं की है। रिलीज से पहले इस फिल्म का काफी ज्यादा प्रचार किया गया, लेकिन टिकट खिड़की पर इस फिल्म ने पहले दो दिन में उम्मीद के मुताबिक कलेक्शन नहीं किया। इस फिल्म का निर्माण आलिया भट्ट ने धर्मा प्रोडक्शंस के साथ मिलकर किया है। इससे पहले भी वह इस बैनर की कई फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। आइए जानते हैं कैसा रहा इन फिल्मों का प्रदर्शन आलिया भट्ट ने अपनी शुरुआत फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर से की थी। इस फिल्म में सिद्धार्थ मल्होत्रा और वरुण धवन भी नजर आए थे। धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनी इस फिल्म का निर्देशन करण जौहर ने किया था। फिल्म को दर्शकों की मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली थी। 70 करोड़ रुपये के कलेक्शन के साथ फिल्म को सेमी-हिट घोषित किया गया था।

**टू स्टेट्स**- आलिया भट्ट की हिट फिल्मों में टू स्टेट्स का नाम भी शामिल है। इस फिल्म में वह अर्जुन कपूर के साथ नजर आई थीं। चेतन भगत की किताब पर आधारित यह फिल्म दर्शकों को काफी ज्यादा पसंद आई थी। फिल्म का निर्देशन अभिषेक वर्मन ने किया था। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने 102.3 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था।

**हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया**

स्टूडेंट ऑफ द ईयर के बाद आलिया भट्ट फिल्म हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया में वरुण के साथ एक बार फिर से बड़े पर्दे पर नजर आई थीं। फिल्म का निर्देशन शशांक खेतान ने किया था। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 76.81 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। टिकट खिड़की पर इस फिल्म को हिट घोषित किया गया था।

शानदार

शाहिद कपूर और आलिया भट्ट साल 2015 की फिल्म शानदार में एक साथ नजर आए थे।

# रेडक्रॉस के उद्देश्य और सेवा कार्यों से जन-जन को करें प्रेरित : राज्यपाल श्री पटेल

**भोपाल।** राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि दीन-दुखियों की सेवा, ईश्वर की सेवा का सशक्त माध्यम है। मानवता की सेवा ही प्रभु की सेवा है। अपनी शक्ति और सामर्थ्य के अनुसार ग़रीब, वंचित और ज़रूरतमंदों की हमेशा मदद करते रहे। उन्होंने कहा कि सेवा का दायरा बहुत विस्तृत है। रेडक्रॉस सदस्य दूरस्थ, ग्रामीण इलाकों जाकर जरूरतमंदों से मिले, उनकी समस्याओं को करीब से देखें, समझे और यथा संभव समाधान के आत्मीय प्रयास करें। हर सदस्य कम से कम 5 व्यक्तियों को रेडक्रॉस से जोड़े। राज्यपाल श्री पटेल ने रेडक्रॉस के सिद्धांतों, उद्देश्यों और कार्यों से जन-जन को प्रेरित करने का आह्वान किया। पीड़ित मानवता के प्रति रेडक्रॉस के संवेदनशील समर्पण से प्रेरणा लेने, वंचितों के उत्थान में सहभागी बनने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की युवाओं से अपील की। राज्यपाल श्री पटेल शुक्रवार को विश्व रेडक्रॉस दिवस पर आयोजित 'सेवा सम्मान समारोह' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने रेडक्रॉस के संस्थापक हेनरी ड्यू-नॉट के जन्म दिवस पर उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। समर्पित कार्यकर्ताओं, स्वयंसेवकों और समाज सेवी संस्थाओं को सम्मानित किया। मानवता की सेवा कार्यों और प्रयासों के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। सभी सम्मानित जनों को सम्पूर्ण समाज के सच्चे नायक और प्रेरणा स्रोत बताया। मध्यप्रदेश राज्य रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा कार्यक्रम का आयोजन मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (मेपकास्ट) परिसर में किया गया।

**रेडक्रॉस की सीख कर्मों में भी झलकनी चाहिए**

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि विश्व रेडक्रॉस दिवस, मात्र एक दिवस का उत्सव नहीं, बल्कि मानवता, सेवा, करुणा और समर्पण की निरंतर प्रवाहित धारा का स्मरण है। युद्ध के मैदान में पीड़ा देख कर लिया गया संकल्प, आज पीड़ित मानवता की सेवा का वैश्विक आंदोलन बन गया है, जो हमें बताता है कि 'सेवा ही सर्वोच्च धर्म है।' उन्होंने कहा कि रेडक्रॉस के 7 मूल सिद्धांत- मानवता, निष्पक्षता, तटस्थता, स्वतंत्रता, स्वैच्छिक सेवा, एकता और सर्व व्यापकता, जीवन जीने के सच्चे मार्गदर्शक हैं। इनका मन, वचन और कर्म से 365 दिन पालन ही, समावेशी समाज निर्माण के संकल्प को सिद्ध करने का प्रभावी तरीका है। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि रेडक्रॉस की सीख, शब्दों तक सीमित नहीं हो, यह हमारे कर्मों में भी झलकनी चाहिए। इसके लिए समाज को और अधिक संवेदनशील बनाना होगा। सम्मानित लोग, रेडक्रॉस के कार्यों में अपनी निष्ठा, समर्पण, सेवा-भाव के संस्कारों से भावी पीढ़ी को नेतृत्व प्रदान कर प्रोत्साहित करें। मानवता की सेवा के संकल्प के साथ पीड़ितों और वंचितों का दिल खोलकर सहयोग करें। मन, समय और संसाधनों से उनका साथ दें। समाज में पारस्परिक सहयोग तथा संवेदनशीलता की भावना को और अधिक सशक्त बनाएं।

**जन औषधि योजना हर वर्ग के लिए वरदान**

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि जन-औषधि योजना, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अत्यंत संवेदनशील पहल है। यह योजना हर वर्ग के लिए वरदान है। उन्होंने इस अभूतपूर्व योजना के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी के प्रति आभार जताया। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि प्रदेश रेडक्रॉस सोसायटी दूरस्थ और ग्रामीण अंचलों में अधिक से अधिक जन-औषधि केन्द्र खोलने के प्रयास करें। इस पहल से स्थानीय युवाओं को जोड़े। उन्हें जन-औषधि केन्द्र में उपलब्ध दवाओं, गुणवत्ता और कीमतों की जानकारी दें। राज्यपाल श्री पटेल का समारोह में मध्यप्रदेश रेडक्रॉस सोसायटी के चेयरमैन डॉ. श्याम सिंह कुमरे और वाइस चेयरमैन श्री मनीष रावल ने शॉल एवं श्रीफल से अभिनंदन किया। चेयरमैन डॉ. कुमरे ने स्वागत उद्बोधन दिया। मध्यप्रदेश रेडक्रॉस सोसायटी के कार्यों और उपलब्धियों पर आधारित लघु फिल्म दिखाई गई। आभार जनरल सेक्रेटरी श्री रामेन्द्र सिंह ने माना। कार्यक्रम में नगर निगम कमिश्नर श्रीमती संस्कृति जैन, मेपकास्ट के महानिदेशक डॉ. अमित कोठारी, डॉ. ब्रिजेश श्रीवास्तव, मध्यप्रदेश रेडक्रॉस सोसायटी की राज्य और जिला इकाई के पदाधिकारी, रेडक्रॉस सदस्य, स्वयंसेवक, सम्मान प्राप्तकर्ता और उनके परिजन उपस्थित थे।राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि विश्व रेडक्रॉस दिवस, मात्र एक दिवस का उत्सव नहीं, बल्कि मानवता, सेवा, करुणा और समर्पण की निरंतर प्रवाहित धारा का स्मरण है। युद्ध के मैदान में पीड़ा देख कर लिया गया संकल्प, आज पीड़ित मानवता की सेवा का वैश्विक आंदोलन बन गया है, जो हमें बताता है कि 'सेवा ही सर्वोच्च धर्म है।' उन्होंने कहा कि रेडक्रॉस के 7 मूल सिद्धांत- मानवता, निष्पक्षता, तटस्थता, स्वतंत्रता, स्वैच्छिक सेवा, एकता और सर्व व्यापकता, जीवन जीने के सच्चे मार्गदर्शक हैं। इनका मन, वचन और कर्म से 365 दिन पालन ही, समावेशी समाज निर्माण के संकल्प को सिद्ध करने का प्रभावी तरीका है। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि रेडक्रॉस की सीख, शब्दों तक सीमित नहीं हो, यह हमारे कर्मों में भी झलकनी चाहिए। इसके लिए समाज को और अधिक संवेदनशील बनाना होगा। सम्मानित लोग, रेडक्रॉस के कार्यों में अपनी निष्ठा, समर्पण, सेवा-भाव के संस्कारों से भावी पीढ़ी को नेतृत्व प्रदान कर प्रोत्साहित करें। मानवता की सेवा के संकल्प के साथ पीड़ितों और वंचितों का दिल खोलकर सहयोग करें। मन, समय और संसाधनों से उनका साथ दें। समाज में पारस्परिक सहयोग तथा संवेदनशीलता की भावना को और अधिक सशक्त बनाएं।अपनी शक्ति और सामर्थ्य के अनुसार ग़रीब, वंचित और ज़रूरतमंदों की हमेशा मदद करते रहे। उन्होंने कहा कि सेवा का दायरा बहुत विस्तृत है। रेडक्रॉस सदस्य दूरस्थ, ग्रामीण इलाकों जाकर जरूरतमंदों से मिले, उनकी समस्याओं को करीब से देखें, समझे और यथा संभव समाधान के आत्मीय प्रयास करें। हर सदस्य कम से कम 5 व्यक्तियों को रेडक्रॉस से जोड़े। राज्यपाल श्री पटेल ने रेडक्रॉस के सिद्धांतों, उद्देश्यों और कार्यों से जन-जन को प्रेरित करने का आह्वान किया।

## निर्माणाधीन विकास कार्यों के पूर्ण होने से जिले के विकास की बढ़ेगी रफ्तार : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

**भोपाल ।** उप मुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि जिले में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित निर्माणाधीन विकास कार्यों में तेजी लाकर उन्हें समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा स्वीकृत विकास कार्यों को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करना अत्यंत आवश्यक है। विकास कार्यों के पूर्ण होने से शहडोल जिले के विकास को नई गति मिलेगी। उक्त निर्देश उप मुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री श्री शुक्ल ने सर्किट हाउस बाणसागर में आयोजित जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक में विभागीय अधिकारियों को दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने शहडोल-उमरिया मार्ग, ब्यौहारी के विजयसोता पूल निर्माण में अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि शहडोल- उमरिया मार्ग, ब्यौहारी के विजयसोता पूल, भन्नी सिंचाई परियोजना जैसे अन्य महत्वपूर्ण विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा कलेक्टर समय-सीमा की बैठक में अनिवार्य रूप से करें एवं जल्द से जल्द पूर्ण कर आमजन को उन सुविधाओं का लाभ दिलाए। उन्होंने कहा कि स्वीकृत विकास

### जर्जर शासकीय विद्यालयों को चिन्हित कर कराएं मरम्मत
### शहडोल जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक हुई

कार्यों को जमीनी स्तर पर कार्य करने की अत्यंत आवश्यकता है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने स्वास्थ्य विभाग की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में निर्माणाधीन नर्सिंग कॉलेज एवं शहडोल जिले में निर्माणाधीन हेल्थ सेंटरो को यथाशीघ्र पूर्ण कर जनप्रतिनिधियों द्वारा शुभारंभ कराना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए की शहडोल जिले में संचालित शासकीय विद्यालय जो जर्जर हैं उन्हें सूचीबद्ध कर उनका मरम्मत कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने जिले में बनाए जा रहे सांदीपनि विद्यालय के कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर जल्द से जल्द से पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने जनहित को दृष्टिगत रखते हुए जनपद पंचायत कार्यालय ब्यौहारी के सामने संचालित शराब की दुकान हटाने के निर्देश कलेक्टर को दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने बैठक में मेडिकल कॉलेज में रिक्त पदों की भर्ती प्रक्रिया, भू अर्जन कार्य में प्रगति, टेटका - शहडोल मार्ग की प्रगति, जयसिंहनगर बाईपास, ब्यौहारी -सपटा मार्ग, जल जीवन मिशन के कार्य, प्रगतिरत कटनी से सिंगरौली डबल रेलवे लाइन के कार्य सहित अन्य विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। बैठक में जिला विकास सलाहकार समिति के सदस्यों द्वारा विकास कार्यों के लिये अपने अपने सुझाव भी प्रस्तुत किए। बैठक में सांसद संसदीय क्षेत्र सीधी डॉ.राजेश मिश्रा, विधायक श्री जयसिंह मरावी, श्री शरद कोल,श्रीमती मनीषा सिंह, कलेक्टर डॉ.केदार सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री शिवम प्रजापति सहित अन्य जन प्रतिनिधि, अधिकारी एवं जिला विकास सलाहकार समिति के सदस्य उपस्थित रहे।उन्होंने जिले में बनाए जा रहे सांदीपनि विद्यालय के कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर जल्द से जल्द से पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए।

## पत्नी ने पति की आंखों में दवाई डाली फिर बेडरूम में किलर को भेज बाहर उसकी मौत का इंतजार करने लगी

**भोपाल।** भेल के रिटायर्ड जीएम जार्ज कुरियन की सनसनीखेज हत्या से पर्दा उठने के बाद अब हत्या के कारणों को लेकर नए खुलासे हो रहे हैं। जॉर्ज कुरियन की नजदीकियां किरायेदार रेखा सूर्यवंशी से बढ़ गई थीं। उसे रेखा के प्रेमी संजय पाठक से उसका बात करना पसंद नहीं था।

उसने संजय का रेखा के घर आना-जाना बंद करा दिया था। साथ ही रेखा के मोबाइल पर उसका नंबर भी ब्लाक करवा दिया था। वह अक्सर फोन कर संजय से अभद्रता करता था। साथ ही रेखा से उसके बारे में अनाप-शनाप बातें करता था। यहां तक की मौत से दो दिन पहले जार्ज कुरियन ने फोन पर बहस के दौरान संजय को उसकी बेटी के साथ दुष्कर्म करने की धमकी तक दे डाली थी। पुलिस को पूछताछ में संजय ने बताया कि इसके बाद उसने जार्ज की हत्या करने की ठान ली थी। चुपके से घर आ गया था संजय बाद में जार्ज की रोजाना की मारपीट से परेशान पत्नी बिट्टी और रेखा हत्या की पूरी साजिश में शामिल हो गई। बिट्टी ने अपने पति की हत्या के लिए संजय को दस लाख रुपये में सुपारी दी। साजिश के तहत 18 अप्रैल को बिट्टी ने रात को सोते समय जार्ज की आंखों में दवा डाली, तभी संजय चुपके से घर आ गया था। बिट्टी ने जार्ज की हत्या के लिए संजय को बेडरूम में भेज दिया और खुद बाहर से कमरा बंद कर रेखा के साथ पति की मौत का इंतजार करने लगी। कुछ देर संजय और जार्ज के बीच मारपीट चली, फिर संजय ने एक कपड़े से जार्ज का मुंह दबा दिया और तब तक दबाए रखा जब तक उसकी जान नहीं निकल गई। इधर मामले में मुख्य आरोपित संजय पाठक को रविवार को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है।पूरे मामले का पर्दाफाश करने वाले एसआई संतोष रघुवंशी के अनुसार किरायेदार रेखा सूर्यवंशी मूलत: भोपाल की रहने वाली है। उसकी शादी सीहोर निवासी बीएएमएस डॉक्टर विजय सूर्यवंशी से हुई थी। 2017 को विजय की मौत हो गई थी, जिसके बाद रेखा अपने इकलौते बेटे के साथ मायके में रहने लगी थी। रेखा के पिता जॉर्ज के दोस्त थे। उन्होंने रेखा की परिस्थितियों के बार में जॉर्ज को बताया तो उन्होंने अपने घर में उन्हें पेयिंग गेस्ट के तौर पर रखा। बाद में रेखा अपने बेटे को भी उनके ही घर में ले आई थी।बिट्टी ने बताया कि रेखा लंबे समय से घर में रह रही थी, लेकिन कभी उससे किराया नहीं लिया था।

## देवास के चिड़ावत गांव की स्थिति ने उजागर की 'हर घर नल से जल' योजना की सच्चाई : जीतू पटवारी

**भोपाल ।** मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री जितेंद्र (जीतू) पटवारी ने देवास जिले के चिड़ावत गांव की बदहाल स्थिति को लेकर केंद्र एवं राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जिस गांव को कागजों में 'आदर्श ग्राम' बताया जा रहा है, वहां आज भी ग्रामीणों को खेतों और दूरस्थ स्थानों से डिब्बों में पानी भरकर लाना पड़ रहा है। यह स्थिति केवल एक गांव की नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश और देश में चल रहे जल जीवन मिशन एवं 'हर घर नल से जल' योजना के भ्रष्टाचार की सच्चाई को उजागर करती है। श्री पटवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2019 में 'हर घर नल से जल' का वादा किया था, जिसके अंतर्गत वर्ष 2024 तक प्रत्येक ग्रामीण परिवार को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया था। केंद्र सरकार द्वारा जल जीवन मिशन के लिए लाखों करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि अनेक गांवों में नल तो लगाए गए, पर पानी नहीं पहुंचा। कई स्थानों पर अधूरी पाइपलाइन, बंद पड़ी टंकियां और भ्रष्टाचार के मामलों ने पूरी योजना की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। उन्होंने कहा कि देवास के चिड़ावत गांव का वीडियो अत्यंत पीड़ादायक है। महिलाएं और बच्चे पानी के लिए भटक रहे हैं, जबकि सरकारी रिकॉर्ड में योजनाएं पूर्ण दर्शाई जा चुकी हैं। इससे स्पष्ट है कि सरकार की प्राथमिकता जनता को सुविधा देना नहीं, बल्कि कागजों पर विकास दिखाकर भ्रष्टाचार को संरक्षण देना है। श्री पटवारी ने आरोप लगाया कि मध्यप्रदेश में जल जीवन मिशन के अंतर्गत कई जिलों से लगातार शिकायतें सामने आई हैं। कहीं पाइपलाइन बिछाने के बाद सड़कें खराब छोड़ दी गईं, कहीं जल टंकियां निर्माण के कुछ समय बाद ही क्षतिग्रस्त हो गईं और कई गांवों में करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद लोगों को पानी नसीब नहीं हो रहा। यह जनता के टैक्स के पैसे की खुली लूट है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार विकास के बड़े-बड़े विज्ञापन देती है, लेकिन गांवों की वास्तविकता उन दावों की पोल खोल रही है। यदि सरकार वास्तव में भ्रष्टाचार के खिलाफ होती, तो जल जीवन मिशन में हुए कार्यों का सामाजिक ऑडिट करवाती और दोषियों पर सख्त कार्रवाई करती। लेकिन आज स्थिति यह है कि भ्रष्टाचार करने वालों को संरक्षण दिया जा रहा है।

**राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने विश्व रेडक्रॉस दिवस पर भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की मध्यप्रदेश राज्य शाखा द्वारा आयोजित 'सेवा सम्मान समारोह' का दीप प्रज्ज्वलन कर शुभारंभ किया। उन्होने रेडक्रॉस के संस्थापक हेनरी ड्यू-नॉट के जन्म दिवस पर उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किये।**

स्वात्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एम.एस.चौहान द्वारा ई-2/283, अरेरा कॉलोनी भोपाल ( म.प्र. ) से मुद्रित एवं ई-109/23,शिवाजी नगर,भोपाल ( म.प्र. ) से प्रकाशित। संपादक: एम.एस. चौहान, स्थानीय संपादक कमलेन्द्र सिंह चौहान। फोन एवं फैक्स : 0755-4273629,।